● वर्ष-2
● अंक-218
रायपुर, गुरुवार
04 मई 2023
● पृष्ठ-6
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

इन दिनों

शशांक शर्मा

केंद्र में सरकार और राज्य की राजनीति

भारतीय संविधान का चरित्र परिसंघात्मक है, इसका मतलब है केंद्र और राज्य दो इकाइयां स्वायत्त रूप से सत्ता चलाएंगे। इस आधार पर केंद्र के राजनीतिक संगठन और राज्य के संगठन अलग अलग होंगे, अभी संगठन तो स्वायत्त हो नहीं सकते इसलिए राष्ट्रीय पार्टियों की अखिल भारतीय संगठन और राज्य की इकाइयां मिल कर काम करती हैं। इस प्रकार सताता और संगठन के दो केंद्र बिंदु बनते हैं, केंद्र और राज्य। भले ही दोनों स्वायत्त होने का दावा करने हैं लेकिन केंद्र का नियंत्रण भरपूर होता है। आज की स्थिति में कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी दो बड़ी राष्ट्रीय पार्टी हैं, डोना के राष्ट्रीय स्तर पर संगठन की रचना है लेकिन पार्टी के संगठन का व्यवहार सत्ता के साथ बदल जाता है। अगर केंद्र में पार्टी की सत्ता है तो राज्य की सत्ता हो या संगठन केंद्र के नियंत्रण में कार्य करते हैं। अभी भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में केंद्र की सरकार है, इसलिए किसी भी राज्य में भाजपा की सरकार हो या संगठन केंद्र सरकार के निर्देश पर काम करते हैं। इस प्रवृत्ति से राज्य के संगठन पर प्रतिकूल असर भी पड़ता है। जैसे छत्तीसगढ़ में जब 2003 से 2013 तक डॉ. रमन सिंह की सरकार थी तब केंद्र में कांग्रेस गठबंधन की सरकार थी। ऐसे में प्रदेश सरकार अपने विवेक से कार्य करती थी और चुनाव के समय राज्य संगठन स्वविवेक से निर्णय कर लेते थे। जैसे ही 2014 में नरेंद्र मोदी की सरकार बनी तब से प्रदेश की भाजपा सरकार और संगठन केंद्र के निर्देशों पर निर्भर हो गया। इससे प्रदेश का संगठन कमजोर होता चला गया। ऐसा ही कांग्रेस के साथ भी हुआ जब केंद्र और राज्य में कांग्रेस पार्टी की सरकारें हुआ करती थी। अब जो संगठनात्मक नुकसान कांग्रेस को भुगतना पड़ा वही स्थिति अब भाजपा की बन रही है। इस रवैए का असर केवल केंद्र और राज्य नहीं बल्कि इसके नीचे के स्तर पर भी दिखाई देता है। जैसे छत्तीसगढ़ में जब नगरीय निकाय के चुनाव हुए थे तब स्थानीय संगठन के बजाय प्रदेश सरकार और संगठन चुनाव लडने लगे थे, यही हाल अभी उत्तरप्रदेश में हो रहे नगरीय निकाय के चुनाव में देखना को मिल रहा है। इससे जिला और निचले स्तर की संगठन इकाइयां कमजोर होती हैं और राज्य संगठन पर निर्भरता बढ़ती जाती है। कर्नाटक में विधानसभा चुनाव हो रहा है, लेकिन ज्यादातर भूमिका मोदी सरकार के मंत्रियों और राष्ट्रीय अध्यक्ष की दिखाई दे रही है। ऐसा सभी राज्यों में होता रहा जबकि केंद्र में सरकार न हो तो राज्य का संगठन ज्यादा जिम्मेदार और मेहनतकश होते हैं। 2018 में भाजपा की हार और कांग्रेस की जीत को भी इस तर्क की कसौटी पर कस कर देख सकते हैं।

शरद पवार की आत्मकथा में बड़े खुलासे

अपनी पुस्तक लोक माझे सागंती में कांग्रेस को भी बताया अहंकारी, मचा बवाल

मुंबई। शरद पवार ने अपना इस्तीफा अपनी आत्मकथा 'लोक माझे सांगती' के विमोचन के मौके पर दिया है। अपनी इस आत्मकथा में पवार ने पीएम मोदी से अपने रिश्ते से लेकर अजित पवार की बगावत सहित महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी सरकार के गठन तक के पूरे सियासी सफर के बारे मे विस्तार से बताया है।

अप्रत्याशित थी बगावत

शरद पवार ने अपनी आत्मकथा में लिखा है कि हमें इस बारे में तनिक भी बोध नहीं था कि महाविकास अघाड़ी सरकार में बगावत हो जाएगी। पवार ने अपनी आत्मकथा में लिखा है कि उद्धव ठाकरे ने बिना संघर्ष किए ही इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने सहजता से इस्तीफा दे दिया, जिससे महाविकास अघाड़ी सरकार गिर गई और सत्ता गंवानी पड़ गई।

मोदी से रिश्ते

शरद पवार ने अपनी पुस्तक लोक माझे सागंती में बताया कि यह उन दिनों की बात है, जब नरेंद्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे। उस वक्त केंद्र में यूपीए की सरकार थी और प्रधानमंत्री की कुर्सी पर डॉ मनमोहन सिंह विराजमान थे। उस वक्त नरेंद्र मोदी के रिश्ते तत्कालीन केंद्र सरकार से अच्छे नहीं थे, तो ऐसी सूरत में वो गुजरात और केंद्र सरकार के बीच एक पुल की तरह काम करते थे। उसी वक्त उन्होंने गुजरात के हित को ध्यान में रखते हुए तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह से बात की थी।

मनमोहन सिंह की तारीफ

पवार ने मनमोहन सिंह की तारीफ करते हुए

लिखा है कि वो काफी सुलझे हुआ नेता थे और हमेशा देश-प्रदेश के विकास के प्रति प्रतिबद्ध रहा करते थे, लेकिन इसके बावजूद भी केंद्र और गुजरात के बीच संवाद के अभाव में जनता के हितों पर कुठाराघात हो रहा था, जिसे ध्यान में रखते हुए दोनों के बीच संवाद स्थापित करने की जिम्मेदारी मुझे दी गई थी, तो मैंने संवाद का सेतु स्थापित किया था। राजनीति में संवाद अपिहार्य है। बिना संवाद के राजनीति नीरस है। वो दीगर बात है कि बहुधा किसी विषय को लेकर मतभेद की वजह से विवाद हो जाता है, लेकिन यह विवाद देश प्रदेश के विकास की राह पर रोड़ा नहीं बनना चाहिए।

कांग्रेस को बताया अहंकारी

शरद पवार ने अपनी आत्मकथा में कांग्रेस को अहंकारी बताया है। उन्होंने कहा कि महाविकास अघाड़ी सरकार के गठन के दौरान मैंने कुछ पदों को लेकर कांग्रेस के नेताओं से बात की थी, लेकिन उस वक्त उनका रूख बहुत अहंकारी था, लेकिन मैंने उन चीजों को नजरअंदाज कर दिया था। सनद रहे कि शरद पवार ने अपनी राजनीतिक यात्रा की शुरुआत कांग्रेस से ही की थी। उन्होंने ही पहली बार सोनिया गांधी के विदेशी होने का मुद्दा उठाया था। जिसके बाद उन्होंने 1999 मे कांग्रेस से अलग होकर एनसीपी का गठन किया था।

इतना ही नहीं, शरद पवार सबसे पहली बार विधायक कांग्रेस की ही टिकट पर बने थे, लेकिन बाद उन्होंने अपनी राह जुदा कर ली थी। शरद पवार ने अपने एक इंटरव्यू में यहां तक कहा था कि कांग्रेस को इस बात का डर था कि अगर शिवसेना हमारे साथ आती है, तो हमारी धर्मनिरपेक्षता वाली छवि को चोट पहुंचेगी, तो इस तरह से कई मसलों का जिक्र शरद पवार ने अपनी आत्मकथा में किया है, जिसे लेकर चर्चाएं जोरों पर हैं, लेकिन वर्तमान में जिस तरह से सियासी घमासान जारी है, उसे लेकर आगामी दिनों में कैसी स्थिति देखने को मिलती है। इस पर सभी की निगाहें टिकी रहेंगी।

कैसे हुआ महाविकास अघाड़ी का जन्म

शरद पवार ने अपनी आत्मकथा में महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी सरकार के गठन की पूरी यात्रा के बारे में भी विस्तार से बताया है। सनद रहे कि गत महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में शिवसेना और बीजेपी ने मिलकर चुनाव लड़ा था, जबकि कांग्रेस और एनसीपी एक साथ चुनावी मैदान में आई थी, लेकिन बाद में शिवसेना और बीजेपी के बीच मुख्यमंत्री पद को लेकर विवाद हो गया। इसके बाद शिवसेना ने सरकार बनाने के लिए अपनी हिंदुत्ववादी विचारधारा की तिलांजलि देते हुए कांग्रेस और एनसीपी से भी हाथ मिलाने से गुरेज नहीं किया था, लेकिन इसी बीच अजित पवार गुट ने बीजेपी के साथ मिलकर सरकार बना ली और देवेंद्र फडणवीस को मुख्यमंत्री तो वहीं अजीत पवार को उपमुख्यमंत्री पद की कमान सौंपी गई, लेकिन बाद में अजित सरकार बनाने के लिए पर्याप्त विधायक अपने साथ नहीं ला पाए, जिसके चलत उन्हें अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा। इसके बाद शिवसेना, एनसीपी और कांग्रेस ने मिलकर सरकार बनाई। इस सरकार में सीएम की कमान उद्धव ठाकरे को सौंपी गई और डिप्टी सीएम अजित पवार को। बताया जाता है कि इस पूरे उथल-पुथल के दौरान शरद पवार ने अहम भूमिका निभाई थी।

क्यों हुए थे अजित बागी

अजित पवार के बागी रूख के बारे में शरद पवार ने अपनी आत्मकथा में लिखा कि उनके बागी तेवर के पीछे की वजह सिर्फ सियासी नहीं, बल्कि पारिवारिक भी थी। निसंदेह वह हमारे लिए बहुत संवेदनशील परिस्थिति थी। ऐसी संवेदनशील परिस्थिति में मेरी पत्नी ने बहुत सूझबूझ से काम किया था। अजित और मेरी पत्नी के बीच काफी अच्छे रिश्ते हैं। अजित मेरी पत्नी की किसी भी बात नहीं टालते हैं। ऐसी सूरत में मेरी पत्नी ने इस पारिवारिक विवाद पर विराम लगाने की दिशा में अहम भूमिका निभाई थी। जिसकी लिए मैं उनका शुक्रिया अदा करता हूं।

शरद पवार ने अपनी आत्मकथा में राज्य के पूर्व सीएम रहे दिवंगत नेता विलासराव देशमुख की जमकर तारीफ की है। उन्होंने विलासराव देशमुख को महाराष्ट्र में गठबंधन सरकार का नेतृत्व करने की परिपक्वता का श्रेय दिया है।

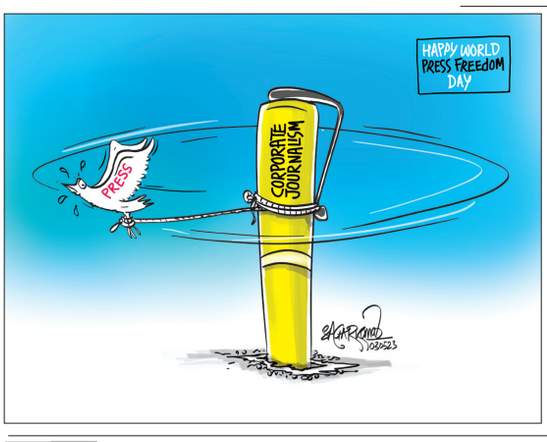

पाकिस्तान का खतरनाक प्लान, निशाने पर कश्मीरी पंडित

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में जी20 की बैठक से पहले पाकिस्तान के खतरनाक गेम प्लान का खुलासा हुआ है। सुरक्षा एजेंसियों के सूत्रों का कहना है कि पाकिस्तान और चीन नहीं चाहते हैं कि कश्मीर में जी20 की बैठक शांतिपूर्वत तरीके से संपन्न हो। इसके लिए पड़ोसी मुल्क ने घाटी में मौजूद अपने आतंकी संगठनों और स्लीपर सेल को सक्रिय कर उन्हें टॉस्क भी दे दिया है। बैठक से पहले आतंकी, %स्टैंड ऑफ फायर% कर सकते हैं। मतलब वे किसी भी शांत जगह पर एकाएक फायरिंग कर लोगों में भगदड़ मचा सकते हैं। दूसरा, घाटी में मौजूद अल्पसंख्यक समुदाय, जिनमें कश्मीरी पंडित और दूसरे राज्यों के श्रमिक शामिल हैं, आतंकी उन्हें निशाना बना सकते हैं। तीसरा, हैंड ग्रेनेड और वाहनों पर स्टीकी बम, ये सब भी आतंकियों के टॉस्क का हिस्सा हैं।

आतंकी हमले की आशंका

कश्मीर में 22 से 24 मई तक जी20 सम्मेलन की बैठक होगी। इस दौरान कई देशों के प्रतिनिधि घाटी में मौजूद रहेंगे। सभी बैठकें एक जगह पर नहीं होंगी। इसके लिए अलग-अलग स्थान तय किए गए हैं। पिछले दिनों पुंछ के भाटादूड़िया में आतंकियों ने सेना के एक वाहन पर हमला किया था। उस हमले में पांच जवान शहीद हो गए थे। सुरक्षा एजेंसियों ने इस हमले को अंजाम देने वाले आतंकियों तक पहुंचने के लिए घाटी का चप्पा-चप्पा छान मारा है, मगर अभी तक उनका कोई सुराग नहीं लग सका है। पुंछ हमले में हैंड ग्रेनेड, स्टीकी बम, विदेशी हथियार और स्टील बुलेट का इस्तेमाल होने की बात सामने आई है।

सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक, घाटी में सुरक्षा बलों के कैंप और वाहनों पर आतंकी हमले की आशंका है। इस बाबत विशेष सतर्कता बरती जा रही है। अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे पाकिस्तान के लॉचिंग पैड, जहां से आतंकियों के जम्मू-कश्मीर में प्रवेश की संभावना है, वहां पर नजर रखी जा रही है। शहर में विदेशी मेहमानों को किसी तरह का कोई जोखिम न हो, इसके लिए विशेष कमांडो तैनात किए जा रहे हैं। आत्मघाती हमले की आशंका को देखते हुए एनएसजी के दस्ते भी कश्मीर में पहुंच चुके हैं। बैठक स्थल के आसपास और विदेशी मेहमानों के तय रूट पर ड्रोन रोधी उपकरण लगाए जा रहे हैं।

रेहड़ी वालों को हटाया

गुलमर्ग, सोनमर्ग, डल झील, डाचीगाम नेशनल पार्क, शालीमार एवं निशात बाग और परी महल जैसे स्थलों पर विदेशी मेहमानों को ले जाया जाएगा। इन स्थलों पर इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस के अलावा विभिन्न सुरक्षा बलों की कई टीमों को लगाया गया है। अल्पसंख्यक समुदायों के लोगों की खास सुरक्षा की जा रही है। कुछ जगहों पर सड़क किनारे से रेहड़ी वालों को हटाया जा रहा है।

प्रमुख समाचार

मोदी सरनेम केस में राहुल गांधी की याचिका खारिज

नई दिल्ली। राहुल गांधी की मुश्किलें मोदी सरनेम वाले मामले में थमने का नाम नहीं ले रही है। इसकी वजह से वो अपनी संसद सदस्यता तो गंवा ही चुके हैं, इसके साथ ही उन पर गिरफ्तारी की तलवार भी लटक रही है। अब राहुल को रांची की एमपी/एमएलए कोर्ट से तगड़ा झटका लगा है। रांची की एमपी/एमएलए कोर्ट ने %मोदी उपनाम मामले% में व्यक्तिगत पेशी से छूट की कांग्रेस नेता राहुल गांधी की याचिका खारिज कर दी। उनके खिलाफ रांची में प्रदीप मोदी नाम के व्यक्ति ने मानहानि का मुकदमा दायर किया था। इसे लेकर राहुल ने याचिका लगाई थी और उन्होंने व्यक्तिगत पेशी से छूट की मांग की थी। इससे पहले बीते दिन गुजरात उच्च न्यायालय ने 'मोदी उपनाम' टिप्पणी से संबंधित आपराधिक मानहानि मामले में दोषसिद्धि के खिलाफ कांग्रेस नेता राहुल गांधी को अंतरिम राहत प्रदान करने से यह कहते हुए इनकार कर दिया कि इस चरण में उन्हें संरक्षण नहीं प्रदान किया जा सकता।

शरद पवार चाहते हैं नई पीढ़ी आगे बढ़े- प्रफुल पटेल

मुंबई। शरद पवार ने एनसीपी चीफ के पद से इस्तीफे का ऐलान करने महाराष्ट्र की राजनीति में एक नया विवाद खड़ा कर दिया है। राजनेताओं से लेकर मीडिया जगत में ये इन दिनों टॉप ट्रेंडिंग टॉपिक बना हुआ है। एनसीपी का अगला अध्यक्ष कौन होगा इसको लेकर भी अटकलें लगाई जा रही हैं। वहीं राकांपा उपाध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल ने कहा कि कल शरद पवार ने बार-बार कहा कि पीढ़ीगत बदलाव होना चाहिए। शायद वह चाहते थे कि नई पीढ़ी आगे बढ़े। हममें से किसी को भी इसके बारे में पहले से पता नहीं था... उन्होंने कुछ समय मांगा है और हमें उन्हें वह देना चाहिए। हमारे कुछ कार्यकर्ता चाहते थे कि वह अपना इस्तीफा वापस ले लें। अजीत पवार, सुप्रिया सुले, मैं, छगन भुजबल और हमने आज उनसे बात करने की कोशिश की। हमने उनसे दोबारा अनुरोध किया।

भाजपा ने कर्नाटक के इंजन को पटरी से उतारा-कांग्रेस

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन सरकार से जुड़ी चुनावी मुहिम को लेकर बुधवार को उस पर निशाना साधते हुए कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी ने प्रदेश के इंजन को पिछले 4 वर्षों में पटरी से उतार दिया है जिसे जनता आगामी 10 मई को गति देने जा रही है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने ट्वीट किया, डबल इंजन क्या है? कर्नाटक राज्य सरकार का 94 प्रतिशत राजस्व प्रदेश के खुद के राजस्व और केंद्र से कर में उसकी हिस्सेदारी से आता है। यह मोदी के आशीर्वाद से नहीं, बल्कि वित्त आयोग के फार्मूले से होता है। उन्होंने दावा किया, आगामी 10 मई को कर्नाटक के इंजन को गति मिलेगी जिसे भाजपा ने पिछले 4 वर्षों में पटरी से उतार दिया है। यह सामाजिक सद्भाव के मिश्रण वाला विकास का इंजन होगा। यह 40 प्रतिशत कमीशन वाला इंजन नहीं होगा। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के अन्य शीर्ष नेता कर्नाटक विधानसभा चुनाव के प्रचार में

पुतिन पर यूक्रेन ने किया ड्रोन अटैक, रूस का बड़ा दावा

यूक्रेन। रूस ने दावा किया है कि यूक्रेन ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की हत्या का प्रयास किया है। रूसी राष्ट्रपति कार्यालय ने बताया है कि यूक्रेन ने बुधवार रात क्रेमलिन पर ड्रोन हमला किया गया है। रूस के क्रेमलिन ने कहा कि उसने यूक्रेन द्वारा लॉन्च किए गए दो ड्रोन को मार गिराया है। समाचार एजेंसी एएफपी ने बताया कि कीव पर राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को मारने का प्रयास करने का आरोप लगाया है। क्रेमलिन के एक बयान में कहा गया है कि दो मानवरहित वाहनों को क्रेमलिन की ओर लक्षित किया गया था ... उपकरणों को निष्क्रिय कर दिया गया था। मॉस्को के निवासियों ने भी स्थानीय समयानुसार दोपहर के दो बजे के बाद क्रेमलिन की दीवारों के पीछे विस्फोटों की आवाज सुनी थी। इसके बाद क्रेमलिन के ऊपर आसमान में धुंआं उठता दिखाई दिया था। इस हमले में कोई क्षति या हताहत नहीं हुआ, हमले के समय पुतिन क्रेमलिन में नहीं थे।

बब्बर खालसा के आतंकवादी की मौत की सजा कम नहीं होगी

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को बब्बर खालसा के आतंकवादी बलवंत सिंह राजोआना की मौत की सजा को उम्रकैद में बदलने से इनकार कर दिया। वहीं 1995 में पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह की हत्या के मामले में उसकी दया याचिका पर विचार करने का निर्णय केंद्र सरकार पर छोड़ दिया। न्यायमूर्ति बीआर गवई की अगुवाई वाली पीठ ने कहा कि गृह मंत्रालय (एमएचए) द्वारा राजोआना की दया याचिका पर फैसला करने में देरी को उसकी सजा कम करने की अनिच्छा के रूप में माना जा सकता है। बेंच, जिसमें जस्टिस विक्रम नाथ और संजय करोल शामिल थे, ने कहा कि एमएचए उचित समय पर फिर से अनुरोध पर विचार कर सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने 2 मार्च को राजोआना द्वारा 2020 में दायर एक याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था, जिसमें एमएचए द्वारा सितंबर 2019 में पंजाब को जारी किए गए एक संचार के मद्देनजर उसकी मौत की सजा को 550 वीं जयंती के साथ उम्रकैद में बदलने के लिए जारी किया गया था।

किंगमेकर बनेंगे कुमार स्वामी! 28 नेता थाम चुके जेडीएस का हाथ

अमित शर्मा

कर्नाटक विधानसभा चुनाव में मतदान के लिए केवल एक सप्ताह का समय शेष बचा है। भाजपा-कांग्रेस के शीर्ष नेता चुनाव प्रचार में जुटे हैं और अपनी-अपनी सरकार बनने के दावे कर रहे हैं। लेकिन इसी चुनाव के बीच अहम तथ्य है कि भाजपा-कांग्रेस के कम से कम 28 नेता, जिसमें पूर्व विधायक और मंत्री शामिल हैं, अपने बड़े राजनीतिक दलों का साथ छोड़ कुमार स्वामी का हाथ थाम चुके हैं। क्या यह इस बात का इशारा हो सकता है कि कर्नाटक की जनता अपना दो दशकों से ज्यादा का इतिहास दुहराते हुए एक बार फिर त्रिशंकु विधानसभा के लिए मतदान करने जा रही है। राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि यह आशंका सच साबित हो सकती है और कुमार स्वामी एक बार फिर किंग मेकर बनकर उभर सकते हैं।

कर्नाटक के कुरबा समुदाय के प्रभावी नेता सीएम धनंजय ने अपनी पुरानी पार्टी कांग्रेस का साथ छोड़ जेडीएस का हाथ पकड़ लिया है। पूर्व एमएलसी और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रघु आचार भी कुमारस्वामी कैंप का रुख कर चुके हैं। कांग्रेस ने उन्हें चित्रदुर्ग सीट से टिकट देने से इनकार कर दिया था। इसी तरह, भाजपा विधायक एमपी कुमारस्वामी ने भी अपनी पार्टी छोड़ कुमार स्वामी का हाथ थाम लिया है। पार्टी छोड़ते समय उन्होंने पार्टी के महासचिव सीटी रवि पर अपनी उपेक्षा किए जाने का आरोप लगाया था।

कुमारस्वामी की तरह भाजपा एमएलसी अयनुर मंजूनाथ ने भी भाजपा का साथ छोड़ जेडीएस का साथ पकड़कर ही अपनी आगे की

राजनीतिक यात्रा जारी रखने का निर्णय लिया है। अब वे शिवमोगा शहर से जेडीएस उम्मीदवार के तौर पर अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। भाजपा के लगभग एक दर्जन छोटे-बड़े ऐसे नेता हैं, जिन्होंने उसका साथ छोड़कर जेडीएस जैसे राज्य स्तरीय दल को अपनी पसंद बनाया है। महत्त्वपूर्ण तथ्य है कि यह बदलाव ऐसे दौर में हुआ है, जब भाजपा यह दावा कर रही है कि उसके मोदी-शाह और योगी के करिश्मे के कारण कर्नाटक में उसकी सरकार की वापसी तय है।

ये कर्नाटक के वे कुछ प्रमुख नेता हैं, जिन्होंने भाजपा-कांग्रेस का साथ छोड़कर जेडीएस का दामन थामा है। इस श्रेणी में अब तक 28 से अधिक नेताओं के नाम शामिल हैं, जिन्होंने भाजपा-कांग्रेस जैसे बड़े राष्ट्रीय दलों की तुलना में कुमार स्वामी का साथ पकड़ना ज्यादा उचित समझा है। तो क्या कर्नाटक में पीएम मोदी का करिश्मा उतना सफल नहीं साबित हो रहा है, जितना कि दावा किया जा रहा है। चुनाव विशेषज्ञों के अनुसार, इसके लिए कर्नाटक की राजनीति बड़ा कारण है, जहां बड़े केंद्रीय नेताओं की तुलना में स्थानीय जातीय नेता अपने मतदाताओं पर ज्यादा मजबूत पकड़ रखते हैं। यह बात भाजपा-कांग्रेस पर समान रूप से लागू होती है।

जेडीएस इस विधानसभा चुनाव में भी एक किंगमेकर की भूमिका में उभरकर सामने आ सकती है। जेडीएस की वोक्कालिगा और कुरबा समुदायों के अपने पारंपरिक मतदाताओं पर पकड़ बरकरार है। पिछले चुनाव में भी 224 सीटों वाली विधानसभा में 37 सीटें जीतकर जेडीएस किंगमेकर बनकर उभरी थी। उसने कांग्रेस के साथ मिलकर सरकार बनाई थी। लेकिन बाद में उसके और कुछ कांग्रेस नेताओं के पाला बदलने से भाजपा कर्नाटक की सत्ता में आने में कामयाब हो गई।

जेडीएस ने अपने मतदाताओं के बीच यह बात खूब प्रचारित करने की कोशिश की है कि पिछले चुनाव में जनता का साथ मिलने के बाद भी उनके साथ धोखा हुआ है। देवगौड़ा और कुमारस्वामी इसे अपने समुदाय के साथ धोखाधड़ी के तौर पर चर्चा में लाने में सफल हुए हैं। यही कारण है कि कुमारस्वामी के पक्ष में उनके मतदाताओं के बीच एक सहानुभूति की लहर चल रही है और जेडीएस एक बार फिर मजबूत मोर्चे पर दिख रही है।

जेडीएस ने 2018 के चुनाव में 18.3 फीसदी वोट शेयर के साथ 37 सीटें जीती थीं। इसके पहले 2013 के चुनाव में 20.2 फीसदी वोट शेयर के साथ 40 सीटें जीती थीं। 2008 में जब उसे केवल 28 सीटों पर सफलता मिली थी, तब भी उसे 18.96 फीसदी वोट मिले थे और उस चुनाव में भी सत्ता की चाबी उसी के पास थी। इस चुनाव में यह आंकड़ा एक बार फिर इसी के आसपास रहे, तो इस पर किसी को आश्चर्य नहीं होगा। यानी कुमार स्वामी एक बार फिर किंग मेकर बनकर उभर सकते हैं।

5 लाख का इनामी नक्सली मूठभेड़ में ढेर

नक्सल उन्मुलन अभियान सतत् जारी रहेगा : एसपी

गरियाबंद। गरियाबंद जिले से पुलिस विभाग को मंगलवार को एक बड़ी सफ्लता मिली जिसमे पुलिस जवानो और नक्सलियों के मुठभेड़ में एक नक्सली ढेर हो गया वही बाकी नक्सली भाग खड़े हुए।इस घटना के बाद पुलिस विभाग द्वारा नक्सलियों के दैनिक उपयोग की वस्तु और खाने पीने के सामान सहित बर्तन को जसी बनाते हुए जिला मुख्यालय लेकर आए और मृत नक्सली को मर्च्युरी में रखा गया है जो रात अधिक होने के चलते मृतक का पोस्टमार्टम बुधवार को किया जाएगा।घटना में पुलिस अधीक्षक अमित तुकाराम काम्बले डीआईजी संजय कुमार सिंग,डीएस कठायत व वरिष्ठ अधिकारीगण द्वारा जिले के नक्सल संवेदनशील क्षेत्रों में गस्त एवं एरिया डोमिनेशन के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार कर कोबरा,ई-30 एवं सीआरपीएफकी संयुक्त पार्टी के साथ टीम रवाना किया गया।अभियान के दौरान प्रात: करीबन 9:20 बजे थाना जुगाड़ क्षेत्रान्तर्गत् ग्राम करलाझर नागेश के समीप पहाड़ी के पास जंगल में पूर्व से घात लगाकर बैठे सशस्त्र माओवादियों द्वारा जान से मारने एवं हथियार लूटने की नीयत से अलग-अलग दिशाओं से अंधाधुंध फायरिंग करने लगे।पुलिस पार्टी द्वारा भी आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्यवाही में फायरिंग किया गया।पुलिस पार्टी

संजय कुमार सिंग,डीएस कठायत व वरिष्ठ अधिकारीगण द्वारा जिले के नक्सल संवेदनशील क्षेत्रों में गस्त एवं एरिया डोमिनेशन के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार कर कोबरा,ई-30 एवं सीआरपीएफकी संयुक्त पार्टी के साथ टीम रवाना किया गया।अभियान के दौरान प्रात: करीबन 9:20 बजे थाना जुगाड़ क्षेत्रान्तर्गत् ग्राम करलाझर नागेश के समीप पहाड़ी के पास जंगल में पूर्व से घात लगाकर बैठे सशस्त्र माओवादियों द्वारा जान से मारने एवं हथियार लूटने की नीयत से अलग-अलग दिशाओं से अंधाधुंध फायरिंग करने लगे।पुलिस पार्टी द्वारा भी आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्यवाही में फायरिंग किया गया।पुलिस पार्टी के बढ़ते दबाव एवं अपने आप को घिरता देख माओवादी जंगल पहाड़ी का आड़ लेकर भाग गये।मुठभेड़ लगभग 30 मिनट तक चली मुठभेड़ पश्चात् घटना स्थल की सर्चिंग करने पर पांच लाख का इनामी वर्दीधारी 1 पुरूष माओवादी का शव व शव के पास एक नग 303 रायफ्ल व नक्सल व दैनिक उपयोग में आने वाली सामग्रियों को बरामद किया गया है।मुठभेड़ में मारे गये पुरूष नक्सली की पहचान नंदलाल उर्फ अमलु नेताम साल निवासी ग्राम रक्शापथरा थाना शोभा जिला गरियाबंद (छ0ग0) के रूप में हुआ है,जो एसीएम,उदंती एलओएस के डिप्टी कमाण्डर के पद पर सक्रिय था। नक्सली नंदलाल उर्फ अमलु नेताम छत्तीसगढ़ उड़िसा के सीमावर्ती क्षेत्र में विगत कई वर्षों से सक्रिय रूप से कार्यरत था।जिला गरियाबंद के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अमित तुकाराम काम्बले द्वारा स्पष्ट किया गया है कि भविष्य में भी इसी प्रकार नक्सल उन्मुलन अभियान सतत् जारी रहेगा।

अनाथ बच्चों को प्रतिमाह 4 हजार रूपये आर्थिक सहायता देने का प्रावधान

गरियाबंद। अपने मां-बाप खो चुके अनाथ बच्चों के लिए शासन की ओर से चार हजार रूपये प्रतिमाह आर्थिक सहायता का प्रावधान है।यह राशि अनाथ बच्चों के पालन-पोषण से लेकर पढ़ाई लिखाई के काम में भी सहायक होता है।कलेक्टर प्रभात मलिक ने ऐसे बच्चों की जानकारी जिला प्रशासन के संज्ञान में लाने के निर्देश समय-सीमा की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिये।जिले में अभी तक 84 बच्चों को इस योजना का लाभ मिल रहा है। योजना अंतर्गत अनाथ बच्चों और उनके आश्रितों के संयुक्त बैंक खाते में आर्थिक सहायता राशि 4 हजार रूपये का अंतरण प्रतिमाह किया जा रहा है। इस योजना अंतर्गत 18 वर्ष तक के अनाथ बच्चे जो किसी अपने रिश्तेदार या स्वयं ही गरीबी हालात में जीवनयापन कर रहे है,उनको आर्थिक सहायता का लाभ दिया जा रहा है।कलेक्टर श्री मलिक ने सभी जनपद सीईओ और महिला बाल विकास विभाग के अधिकारियों को अनाथ बच्चों की जानकारी संकलित कर उन्हें आर्थिक सहायता से लाभान्वित करने के निर्देश दिये हैं।समय-सीमा की समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने नगरीय निकायों में संचालित पौनी

पसारी योजना की भी समीक्षा की।उन्होंने निकायों में परम्परागत व्यवासायों को बढ़ावा देने तथा स्थानीय कारीगरों, शिल्पकारों,दस्तकारों आदि को व्यवसाय के लिए एक निश्चित जगह दिलाने शासन द्वारा निर्मित पौनी पसारी शेड में अधिक से अधिक परम्परागत व्यावसायियों को जगह आबंटित करने के निर्देश दिये। इसके माध्यम से परम्परागत व्यापारियों को व्यवसाय के लिए एक निश्चित स्थान मिलेगा। साथ ही उनकी आर्थिक स्थिति में मजबूत होगी। समय-सीमा की बैठक में वन मण्डलाधिकारी श्री मणिवासगन एस, अपर कलेक्टर श्री अविनाश भोई, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती रीता यादव, सभी एसडीएम, जनसीईओ और विभागीय अधिकारीगण मौजूद रहे।समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर श्री मलिक ने विभिन्न विभागों में समय-सीमा के लंबित प्रकरणों की भी समीक्षा की। उन्होंने समय-सीमा के प्रकरणों का गंभीरता से निराकरण करने के निर्देश दिये।कलेक्टर ने सभी जनपद पंचायतों, रोजगार कार्यालय,खाद्य विभाग और नगरीय निकाय अंतर्गत हितग्राहीमूलक सेवाओं को ऑनलाइन प्रदर्शित करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि इन विभागों द्वारा नागरिकों से ऑनलाइन आवेदन स्वीकार की व्यवस्था की जाए। जिससे हितग्राहियों की समय और धन की बचत होगी। साथ ही सेवाओं का आसानी से लाभ ले सकेंगे। कलेक्टर ने गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए सार्वजनिक स्थानों, बस स्टैण्ड,जनपद कार्यालयों और अनुविभागीय कार्यालयों में भी आम नागरिकों के लिए पीने के पानी की व्यवस्था करने के निर्देश दिये।उन्होंने ऐसे जगहों में सार्वजनिक प्याऊ संचालित कर लोगों को गर्मी के मौसम में पानी की कमी से राहत दिलाने के लिए आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए भी निर्देशित किया।

प्रतिबंधित प्लास्टिक एवं सिंगल यूज प्लास्टिक पर की गई कार्यवाही

- लगाया गया 19300 रूपये का अर्थदण्ड, प्रतिबंधित प्लास्टिक कैरीबैग व सिंगल यूज प्लास्टिक सामग्री जप्त की गई

कोरबा। आयुक्त श्री प्रभाकर पाण्डेय के मार्गदर्शन में नगर निगम कोरबा एवं पर्यावरण संरक्षण मण्डल के अधिकारियों ने प्रतिबंधित प्लास्टिक के विक्रेताओं एवं व्यवसायियों पर कार्यवाही की गई। इस दौरान 34 विक्रेताओं पर 19300 रूपये का अर्थदण्ड लगाया गया, साथ ही 9.300 किलो सिंगल यूज प्लास्टिक, कैरीबैग व अन्य सामग्री जप्त की गई।

यहाँ उल्लेखनीय है कि निर्धारित मानक के अनुरूप न होने वाली प्लास्टिक सामग्री से निर्मित कैरीबैग सिंगल यूज डिस्पोजल सहित अन्य प्लास्टिक वस्तुओं के निर्माण, भण्डारण, वितरण एवं उपयोग आदि पर शासन द्वारा प्रतिबंध लगाया गया है, प्रतिबंधित प्लास्टिक कैरीबैग व अन्य सामग्री के उपयोग से एक ओर जहाँ पर्यावरण एवं सफाई व्यवस्था पर गंभीर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है, वहीं दूसरी ओर यह मानव स्वास्थ्य व प्राणी मात्र के लिए घातक है। आयुक्त श्री प्रभाकर पाण्डेय ने प्लास्टिक प्रतिबंधित के विक्रय, उपयोग पर कार्यवाही करने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए हैं। नगर निगम कोरबा के स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.संजय तिवारी की अगुवाई में नगर निगम व पर्यावरण संरक्षण मण्डल के कर्मचारियों ने

कोरबा निगम क्षेत्र में कार्यवाही की तथा चिल्हर, थोक विक्रेता एवं उपयोग, वितरण कर्ताओं के यहाँ से सिंगल यूज प्लास्टिक, कैरीबैग व डिस्पोजल आदि की जाँची की एवं 19300 रूपये का अर्थदण्ड लगाया। इस मौके पर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.संजय तिवारी, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी सुनील वर्मा, पर्यावरण संरक्षण मण्डल श्री पाण्डेय, निगम के स्वच्छता निरीक्षक गिरवर विश्वकर्मा, उत्तम दास, सतीन्द्र थवाईत, शैलेन्द्र नामदेव, सतानंद द्विवेदी आदि ने यह कार्यवाही की। प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक को उपयोग में न लाएं- आयुक्त श्री प्रभाकर पाण्डेय ने आमजन से अपील करते हुए कहा है कि स्वास्थ्य, स्वच्छता व पर्यावरण पर हानिकारक प्रभाव डालने वाले प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक, कैरीबैग, डिस्पोजल आदि का उपयोग न करें, बाजार जाते समय कपड़े से बने थैले को साथ में लेकर जाएं। उन्होने व्यवसायियों, दुकानदारों से भी कहा है कि वे अपनी दुकानों में प्रतिबंधित प्लास्टिक एवं डिस्पोजल व अन्य सामग्री का विक्रय व भण्डारण न करें।

छत्तीसगढ़ में 20 ट्रेनें रद्द, 65 के रूट बदले

रायपुर में होगा यार्ड आधुनिकीकरण का काम; 10 मई तक प्रभावित

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ में रेलवे यात्रियों को कल से बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। रायपुर स्टेशन में यार्ड आधुनिकीकरण के चलते दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने एक साथ 20 ट्रेनों को रद्द कर दिया है। जबकि 65 ट्रेनों के रूट बदले गए हैं। इसके अलावा 25 ट्रेनें देर से रवाना होंगी। रेलवे की ओर से यह कार्य 4 से 10 मई तक चलेगा। रेलवे की ओर से बताया गया है कि, रायपुर- रायपुर आरवी ब्लॉक हट के बीच दूसरी रेललाइन और रायपुर यार्ड का आधुनिकरण का कार्य किया जाना है। इसके चलते सात दिनों तक ट्रेनों का परिचालन प्रभावित रहेगा।

रद्द होने वाली गाडिय़ां

दिनांक 04 मई, 2023 को बिलासपुर से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 08727 बिलासपुर-रायपुर मेमू स्पेशल रद्द रहेगी । दिनांक 04 मई, 2023 को रायपुर से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 08729 रायपुर-डोंगरगढ़ मेमू स्पेशल रद्द रहेगी । दिनांक 04 मई, 2023 को दुर्ग से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 08718 दुर्ग-रायपुर मेमू स्पेशल रद्द रहेगी । दिनांक 04 मई, 2023 को रायपुर से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 08725 रायपुर-दुर्ग मेमू स्पेशल रद्द रहेगी । दिनांक 05, 07, 08 एवं 10 मई, 2023 को रायपुर से रवाना

होने वाली गाडी संख्या 08701 रायपुर-दुर्ग मेमू स्पेशल रद्द रहेगी । दिनांक 05, 07, 08 एवं 10 मई, 2023 को दुर्ग से रवाना होने वाली गाडी संख्या 08702 दुर्ग-रायपुर मेमू स्पेशल रद्द रहेगी । दिनांक 05 मई, 2023 को डोंगरगढ़ से रवाना होने वाली गाडी संख्या 08730 डोंगरगढ़-रायपुर मेमू स्पेशल रद्द रहेगी । दिनांक 09 एवं 10 मई, 2023 को रायपुर एवं दुर्ग से रवाना होने वाली गाडी संख्या 08703/ 08704 रायपुर-दुर्ग-रायपुर मेमू स्पेशल रद्द रहेगी । दिनांक 09 मई, 2023 को रायपुर एवं दुर्ग से रवाना होने वाली गाडी संख्या 08707/ 08708 रायपुर-दुर्ग-रायपुर मेमू स्पेशल रद्द रहेगी । दिनांक 09 मई, 2023 को रायपुर एवं दुर्ग से रवाना होने वाली गाडी संख्या 08717/ 08718 रायपुर-दुर्ग-रायपुर मेमू स्पेशल रद्द रहेगी। दिनांक 09 मई, 2023 को रायपुर एवं दुर्ग से रवाना होने वाली गाडी संख्या 08725/ 08726 रायपुर-दुर्ग-रायपुर मेमू स्पेशल रद्द रहेगी।

दिनांक 09 मई, 2023 को बिलासपुर एवं रायपुर से रवाना होने वाली गाडी संख्या 08719 बिलासपुर-रायपुर एवं 08721 रायपुर-डोंगरगढ़ मेमू स्पेशल रद्द रहेगी। दिनांक 09 मई, 2023 को गोंदिया से रवाना होने वाली गाडी संख्या 08724 गोंदिया-रायपुर मेमू स्पेशल रद्द रहेगी । दिनांक 09 मई, 2023 को बिलासपुर से रवाना होने वाली गाडी संख्या 08727 बिलासपुर-रायपुर मेमू स्पेशल रद्द रहेगी । दिनांक 04 से 09 मई, 2023 तक टिटलागढ़ से रवाना होने वाली गाडी संख्या 08277 टिटलागढ़-रायपुर मेमू स्पेशल रद्द रहेगी । दिनांक 05 से 10 मई, 2023 तक रायपुर से रवाना होने वाली गाडी संख्या 08278 रायपुर-टिटलागढ़ मेमू स्पेशल रद्द रहेगी। दिनांक 08 मई, 2023 को विशाखापटनम से रवाना होने वाली गाडी संख्या 18530 विशाखापटनम-दुर्ग एक्सप्रेस रद्द रहेगी। दिनांक 09 मई, 2023 को दुर्ग से रवाना होने वाली गाडी संख्या 18529 दुर्ग-विशाखापटनम एक्सप्रेस रद्द रहेगी। दिनांक 09 मई, 2023 को रायपुर से रवाना होने वाली गाडी संख्या 08275 रायपुर-जूनागढ़ रोड पेसेजर स्पेशल रद्द रहेगी । दिनांक 10 मई, 2023 को जूनागढ़ रोड से रवाना होने वाली गाडी संख्या 08276 जूनागढ़ रोड-रायपुर पेसेजर स्पेशल रद्द रहेगी ।

सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण को लेकर ग्राम सभा का आयोजन 05 से

कोरबा। छत्तीसगढ़ सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण 2023 में जानकारी पर दावा-आपत्ति आमंत्रण व निराकरण हेतु जिले के सभी ग्रामों में 05 मई से विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया जाएगा। ग्राम सभा में प्रगणक एवं सुपरवाईजर की उपस्थिति, सर्वेक्षण की सम्पूर्ण अद्यतन जानकारी, दावा-आपत्ति का निराकरण किया जाएगा।

05 मई से 15 तक प्रगणक व सुपरवाइजर की उपस्थिति में ग्राम सभा का आयोजन, सर्वेक्षण की सम्पूर्ण अद्यतन जानकारी ग्रामसभा में प्रस्तुत करना, यदि कोई दावा-आपत्ति न हो तो जानकारी को ग्राम सभा द्वारा अनुमोदित मान्य कर ग्राम सभा द्वारा अनुमोदित विकल्प में सुपरवाईजर द्वारा अपलोड किया जाना, दावा आपत्ति प्राप्त होने पर उन्हें सुपरवाइजर के लिंक में दिए गए विकल्प से अपलोड करना तथा ग्राम सभा के कार्यवाही विवरण की प्रति अपलोड करने का कार्य किया जाएगा। इसी प्रकार 15 मई से 18 मई तक दावा-आपत्ति वाले प्रकरणों का संबंधित प्रगणक की उपस्थिति में सुपरवाइजर द्वारा भौतिक रूप से निराकरण तथा दावा-आपत्ति के प्रकरणों के निराकरण का पंचनामा तैयार कर अपलोड करने का कार्य किया जाएगा। 18 मई से 25 मई तक दावा-आपत्ति वाले प्रकरणों में किए गए निराकण के अनमोदन हेतु पुन: ग्राम सभा का आयोजन कर कार्यवाही पूर्ण करना एवं दावा आपत्ति के निराकरण हेतु दिए गए विकल्प में ग्राम सभा के कार्यवाही विवरण की प्रति के साथ अपलोड किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

कलेक्टोरेट परिसर के 100 मी. की परिधि में धारा 144 लागू

बेमेतरा। संयुक्त जिला कार्यालय परिसर बेमेतरा में शांति, विधि व्यवस्था एवं सुरक्षा बनाए रखने कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री पदुम सिंह एल्मा ने एक आदेश जारी कर आगामी दो माह 01 जुलाई 2023 तक धारा 144 लागू किया गया है। संयुक्त जिला कार्यालय परिसर के 100 मीटर की परिधि में विभिन्न विभाग संचालित है जहां दिव्यांगजन, वृद्धजन एवं महिलाओं का आवागमन रहता है। संयुक्त जिला कार्यालय परिसर में जुलूस, धरना एवं प्रदर्शन होने से दिव्यांगजन, वृद्धजन एवं महिलाओं को परेशानी का सामना करना पड़ता है तथा शासकीय कार्य प्रभावित होता है, इसलिए संयुक्त जिला कार्यालय परिसर के 100 मीटर की परिधि के आसपास शांति, विधि व्यवस्था एवं सुरक्षा बनाए रखना आवश्यक है, ताकि शासकीय कार्य सुगमता से सम्पन्न कराया जा सके। उपरोक्त क्षेत्र में प्रतिबंधात्मक आदेश प्रसारित कर जुलूस, धरना, सभा एवं प्रदर्शन आदि के आयोजन को रोका जावे। यह संवेदनशील क्षेत्र है जिसके आसपास लोक शांति बनाए रखने हेतु जुलूस, धरना, आमसभा एवं प्रदर्शन को रोका जाना आवश्यक है।

वंदना पावर प्लांट की बंद चिमनी को किया गया धराशाई

कोरबा। ग्राम सलोरा स्थित वंदना विद्युत लिमिटेड की 250 मीटर ऊंची चिमनी धराशाई कर दी गई। कर्ज जमा नहीं करने की वजह से प्लांट बंद कर दिया गया था। प्लांट को वर्तमान में डिस्मेंटल किया जा रहा है। जिला मुख्यालय से लगभग 23 किलोमीटर दूर कोरबा. कटघोरा मार्ग में ग्राम सलोरा के पास ग्राम छुरी, गांगपुर, सलोरा, दर्राभाठा व झोरा के 363 किसानों की 260.899 हेक्टेयर जमीन का वर्ष 2008 में अधिग्रहण का वंदना विद्युत लिमिटेड ने प्लांट लगाना शुरू किया था। संयंत्र स्थापना में 522 करोड़ रूपये निवेश कर यहां 540 मेगावाट क्षमता का प्लांट स्थापित किया था। इस प्लांट का इकाई से बिजली उत्पादन भी शुरू हुआ, पर कुछ दिन में बंद हो गया। इसके साथ ही बैंक में कर्ज की राशि जमा नहीं होने पर दबाव बनने लगा और कंपनी को आखिरकार दिवालिया घोषित कर दिया गया। इसके साथ ही प्लांट बेचने की प्रक्रिया शुरू की गई थी, पर कतिपय कारणों से ऐसा नहीं हो सका। बताया जा रहा है कि इस प्लांट को तोड़ने की प्रक्रिया शुरू की गई थी।

जनचौपाल में कलेक्टर ने सुनी लोगों की समस्याएं

गरियाबंद। जिला कार्यालय गरियाबंद में प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाले जनचौपाल में जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से आये विभिन्न प्रतिनिधि मंडलों सहित नागरिकों ने कलेक्टर प्रभात मलिक से मुलाकात कर अपनी मांग एवं समस्याओं के बारे में अवगत कराया। कलेक्टर ने सभी लोगों की समस्याएं एवं मांग को बारी-बारी से सुना और मौके पर उपस्थित अधिकारियों को नियमानुसार निराकरण करने के निर्देश दिये। जनचौपाल में मांग एवं शिकायतों से संबंधित 70 आवेदन प्राप्त हुए। जनचौपाल में ग्राम साजापाली के छगन लाल ने बंदोबस्त त्रुटि सुधार करने,ग्राम देवरी की कुंती बाई साहू ने आबादी भूमि का पट्टा प्रदान करने,राजिम के राजू धीवर ने नामांतरण करने हेतु,ग्राम परसड़ी के महेन्द्र कुमार ने ऋण पुस्तिका बनवाने,ग्राम गंजईपुरी की बिमला बाई ने अपने पति के मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने,ग्राम किरवई की खेमिन साहू, रामेश्वरी ध्रुव,राजिम की ताराबाई,बोईरगांव की पांचोबाई सहित अन्य ने प्रधानमंत्री आवास हेतु आवेदन दिया।

भोला पठार के जंगलों में मिला नरकंकाल, जांच में जुटी पुलिस

बालोद। बालोद कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत परेंगुड़ा गांव के भोला पठार के जंगल में एक नर कंकाल मिला है। जिसके बाद से क्षेत्र में हलचल मच गई गई है। नरकंकाल के पास बाल और चूड़ी मिलने के बाद आशंका जताई जा रही है कि कंकाल युवती का है फिलहाल पुलिस पुष्टि करने में जुटी हुई है। फॉरेंसिक टीम को भी सूचना दे दी गई है। माना जा रहा है कि किसी ने युवती की हत्या कर शव यहां फेंक दिया गया। वहीं मौके पर पुलिस की टीम भी पहुंच गई है पूरा मामला भोला पठार जंगल का है। अब यह कंकाल कितने दिन पुराना है यह फॉरेंसिक जांच के बाद पता चल पाएगा। मिली जानकारी के अनुसार, बुधवार सुबह कंकाल को देखा गया है। देखते ही देखते यह बात आग की तरह फैल गई। फिलहाल मौके के लिए कोतवाली थाने की टीम रवाना हो चुकी है। पुलिस की जांच में ही स्पष्ट हो पाएगा कि युवती कौन है और किस वजह से उनकी मौत हुई है। पास में ही एक बैग मिला है जिसमें एक एडमिट कार्ड है, जो कि गुरुर के मां बहादुर कलारिन कॉलेज का बताया जा रहा है।

प्रॉपर्टी डीलर की कार में लगाई आग, धू-धू कर जल गई

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा में बदमाशों ने घर के बाहर खड़ी एक इनोवा कार में आग लगा दी। इसके चलते कार धू-धू कर जल गई। कार प्रॉपर्टी डीलर की है, जिसे एक व्यापारी इस्तेमाल कर रहा था। आग लगी देख आसपास के लोगों ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी। हालांकि दमकल के पहुंचने से पहले ही लोगों ने आग पर काबू पा लिया। इसके बाद घटना की सूचना पुलिस को भी दी गई है। आग लगाने वालों के बारे में कुछ पता नहीं चल सका है। मामला कोतवाली क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, मिशन कंपाउंड निवासी बसलेन नंद के नाम से इनोवा कार रजिस्टर्ड है, लेकिन इसका इस्तेमाल अशरफ मेमन नामका व्यापारी कर रहा था। कार व्यापारी के ही घर के बाहर पुरानी बस्ती में खड़ी थी। देर रात करीब 2-3 बजे के बीच लोगों ने कार में आग लगी देखी तो अशरफ को जानकारी दी। इस दौरान आग ने विकराल रूप ले लिया। कार आग की लपटों में घिर गई और धू-धू कर जलने लगी। सबने मिलकर आग बुझाने का प्रयास शुरू किया और उस पर काबू पा लिया।

नियमानुसार निर्माण न पाए जाने पर कॉलोनी प्रबंधन पर होगी कार्रवाई

कचरा पृथक्करण को बढ़ावा देने कुम्हारी नगर पालिका परिषद की अनूठी पहल

दुर्ग। कलेक्टर श्री पुष्पेंद्र कुमार मीणा ने बुधवार को जिले के सभी नगरीय निकायों की कार्य प्रगति व शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की। उन्होंने नगर निगम आयुक्तों को वैध अवैध कॉलोनियों का निरीक्षण कर जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है। नगरीय निकायों के अधिकारियों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर श्री पुष्पेंद्र कुमार मीणा ने कहा कि सप्ताह में एक बार नगर निगम के आयुक्त सभी कॉलोनियों का निरीक्षण करेंगे तथा वैधता की जांच करेंगे। इसके अलावा कॉलोनियों का निर्माण नियमानुसार हुआ है कि नहीं इसकी भी जांच की जाएगी। अनियमित कॉलोनियों का जांच कर कार्रवाई की जाएगी। वर्तमान में भिलाई नगर निगम के अंतर्गत कलेक्टर के निर्देशों का पालन करते हुए कॉलोनियों का निरीक्षण कर 7 कॉलोनी को नोटिस दिया गया है। नगर निगम दुर्ग द्वारा अब तक 31 कॉलोनियों का

निरीक्षण किया जा चुका है।

नगर निगमों में डोर टू डोर कचरा कलेक्शन की समीक्षा के दौरान अधिकारियों ने बताया कि डोर टू डोर कचरा कलेक्शन कार्य सफलता पूर्वक किया जा रहा है। इसके अलावा नागरिकों को यह भी बताया जा रहा है कि गिला कचरा व सुखा कचरा अलग-अलग डब्बे में डालकर नगर निगम के कचरा वाहन आने पर निगम कर्मचारी को दे। अगर गिला कचरा व सुखा कचरा अलग-अलग नहीं करने पर सख्त कार्यवाही किया जाएगा। कलेक्टर श्री पुष्पेंद्र कुमार मीणा के निर्देशन में कुम्हारी नगर पालिका परिषद में एक अनूठी पहल की है जिसके अंतर्गत सौ प्रतिशत सेग्रीगेशन वाले परिवारों को पौधा भेंट कर उन्हें प्रोत्साहित किया जा रहा है साथ ही सेग्रीगेशन में लगातार लापरवाही करने वाले परिवारों पर जुर्माना भी लगाया जा रहा है।

कलेक्टर ने निगम आयुक्तों से कहा कि सड़क पर मवेशी मंडराते है उन्हे केवल केचिंग फ्री सिटी थीम पर कार्य करते हुए समस्त मवेशियों को गौठान में पहुंचाने का कार्य करवाए। अक्सर सड़क मार्ग वाहन के आवाजाही में मवेशी अवरोध पैदा करते है। आवाजाही में अवरोध न हो इसके लिए सड़क पर जितने मवेशी दिखे उन सबको गौठान में भिजवाने की व्यवस्था शीघ्र करें।

शुद्ध पेय जल, आवागमन एवं अन्य समस्या को लेकर कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

गरियाबंद। ग्राम नारपानी, भालुडिग्गी, ताराझर, कुरवापानी, मटाल में पानी की समस्या को हल करने के साथ अन्य मूलभूत समस्याओं के निराकरण करने कलेक्टर को आवेदन दिया गया।वही आवेदन में ग्रामीणों ने उल्लेख करते हुए बताए कि हम कमार आदिवासी जिला गरियाबंद विकासखण्ड मैनपुर अंतर्गत, सांग्राम पंचायत कुल्हाड़ीघाट एवं कुल्हाड़ीघाट के आश्रित ग्राम नारपानी, भालुडिग्गी, ताराझर, कुरवापानी, मटाल इत्यादि ऐसे ग्राम के लोग है जो वर्षो से अपने मुलभूत सुविधाओं के लिए तरस रहे है।पहाड़ो में बसे होने कारण हमें शासन प्रशासन से मिलने वाली जन कल्याण योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है।जिसमें समस्या

पीने योग्य पानी का है।हम झरिया का पानी पीने के लिए मजबूर है और इस पानी से होने वाली बिमारी हमारे लिये मौत का दरवाजा बनता जा रहा है।मरीज को स्वास्थ्य सेवा हेतु चिकित्सालय तक लाने ले जाने के लिए सड़क नहीं है।जिससे पगडंडी से होकर कॉवर के सहारे पहाड़ी के निचे लाना पड़ता है।जिससे अधिकांश समय में बीना स्वास्थ्य सेवा के ही मरीज रास्ते में दम तोड़ देता है।शुद्ध पेय जल एवं सड़क के समस्याओं को लेकर हम पहाड़ो में बसने वाले आदिवासी कमार परिवारों के द्वारा शासन प्रशासन को कई बार समस्या से अवगत कराते आ रहे।पर आज प्रयन्त तक हमारे समस्या का निराकरण नहीं हो रहा है। हमें झूठे आश्वासन मे रखकर हमारी मांगो और समस्याओं को नजर अंदाज किया जा रहा है हमारी इन समस्याओं को तीन-चार दिवस के अंदर निराकरण कर,हमारी समुदाय के अस्तित्व को बनाये रखें।वही उन्होंने कहा कि यदि इन दिनों के भीतर नहीं होता है तो हम सभी आदिवासी कमार अपने-अपने परिवारों को लेकर उग्र आंदोलन या जिला कार्यालय का घेराव करेंगे।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

भारत दुनिया का सबसे जीवंत लोकतंत्र, इसकी छवि खराब नहीं की जानी चाहिए: धनखड़

डिब्रूगढ़। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बुधवार को कहा कि भारत दुनिया का सबसे जीवंत लोकतंत्र है और किसी को इसकी छवि खराब करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। धनखड़ ने यहां डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय के 21वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि कुछ लोग यह झूठी बात फैलाकर देश के बाहर उसकी लोकतांत्रिक छवि को धूमिल करने की कोशिश कर रहे हैं कि भारत में लोगों को उनके अधिकार प्राप्त नहीं हैं। उन्होंने किसी का नाम लिये बिना कहा, 'जब सब कुछ ठीक चल रहा है, तो किसी को हमारे लोकतंत्र को बदनाम क्यों करना चाहिए? देश के बाहर और अंदर यह बात क्यों करनी चाहिए कि हमारे लोकतांत्रिक मूल्य नहीं हैं? मैं पूरे विश्वास से और बिना किसी डर के दावा करता हूं कि भारत आज धरती पर सबसे जीवंत लोकतंत्र है।'

एनसीपी से जितेंद्र के साथ कई और पदाधिकारियों ने छोड़े पद

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के विधायक जितेंद्र आव्हाड ने बुधवार को अनुभवी राजनेता शरद पवार के एनसीपी के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने के एक दिन बाद बुधवार को राष्ट्रीय महासचिव के पद से इस्तीफा दे दिया। उनके साथ कई और पदाधिकारी भी इस्तीफा दे चुके हैं। एनसीपी नेता जितेंद्र आव्हाड ने कहा कि मैंने राष्ट्रीय महासचिव के अपने पद से इस्तीफा दे दिया है और मैंने अपना इस्तीफा एनसीपी प्रमुख शरद पवार को भेज दिया है। पवार साहब की घोषणा (पार्टी प्रमुख के पद से इस्तीफा देने के लिए) के बाद ठाणे एनसीपी के सभी पदाधिकारियों ने भी इस्तीफा दे दिया है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) का अध्यक्ष पद छोड़ने की घोषणा के एक दिन बाद शरद पवार ने बुधवार को यहां पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक करने के साथ ही रोजाना की तरह लोगों से मुलाकात की। इस मौके पर कुछ कार्यकर्ता तो रो पड़े और पवार से अपने फैसले पर पुनर्विचार करने की मांग करने लगे।

हमारी भूमिका वेट एंड वॉच की है : सजय राउत

मुंबई। शरद पवार के इस्तीफे के ऐलान के बाद महाराष्ट्र की राजनीति गर्म हो गई है। पूरे मामले को लेकर राजनीति प्रतिक्रियाएं भी आ रही हैं। एनसीपी के समर्थक लगातार शरद पवार से इस्तीफा वापस लेने की मांग कर रहे हैं। इस सब के बीच उद्धव ठाकरे गुट के नेता संजय राउत का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि शरद पवार का इस्तीफा देश की राजनीति के लिए बड़ा झटका है। लेकिन अगर उन्होंने ऐसा फैसला लिया तो निश्चित रूप से महाराष्ट्र और देश में खलबली मच जाएगी। हम तय करेंगे कि आने वाले दिनों में क्या होगा। पूरे घटनाक्रम पर हमारी नजर है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हमारी भूमिका वेट एंड वॉच की है। फिलहाल शरद पवार के इस्तीफे को लेकर एनसीपी में मंथन जारी है। अजित पवार ने कहा था कि शरद पवार अपने फैसले पर विचार करने के लिए दो से तीन दिन लेना चाहते हैं। उन्होंने कहा था कि हमने पवार साहब को बताया कि आपके इस्तीफा देने से कार्यकर्ता बहुत नाराज हैं।

कमलनाथ बताएं, बजरंग दल पर बैन से सहमत या नहीं: मिश्रा

भोपाल। कर्नाटक कांग्रेस के घोषणा पत्र में बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने की बात को लेकर मध्यप्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने नाराजगी व्यक्त की और मध्यप्रदेश के पीसीसी चीफ कमल नाथ को पत्र लिखकर जवाब मांगा है। गृह मंत्री मिश्रा ने कमल नाथ को लिखे अपने पत्र में लिखा कि मंगलवार को कर्नाटक में कांग्रेस के द्वारा चुनावी घोषणा पत्र में पीएफआई जैसे राष्ट्र विरोधी संगठन के साथ बजरंग दल जैसे राष्ट्र सेवी संगठन पर प्रतिबंध लगाने की जो घोषणा की गई है, उसने सभी धर्म प्रेमियों और राष्ट्र भक्तों के मन में गहन वेदना उत्पन्न की है। कमल नाथ, मैंने आपके कई वीडियो और चित्र देखे हैं, जिनमें भगवान बजरंगबली के प्रति आपकी भक्ति साधना प्रदर्शित की गई है। बजरंगबली के प्रति आपकी श्रद्धा मीडिया के माध्यम से भी देखी और सुनी गई है। मेरा आपसे आग्रह है कि आप इस विषय पर अपनी प्रतिक्रिया स्पष्ट करें कि आप इस निर्णय के पक्ष में हैं या विपक्ष में। आपका अभिमत करोड़ों हिंदुओं की आस्था और धर्म के लिए बेहद आवश्यक है।

उच्च न्यायालय ने सिसोदिया की अंतरिम जमानत पर सीबीआई से रिपोर्ट मांगी

नयी दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने पत्नी की बीमारी के आधार पर अंतरिम जमानत का अनुरोध करने वाली, पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की याचिका पर सीबीआई से स्थिति रिपोर्ट पेश करने को कहा है। सिसोदिया को दिल्ली आबकारी नीति मामले में गिरफ्तार किया गया है। न्यायमूर्ति दिनेश कुमार शर्मा ने सीबीआई से बृहस्पतिवार को रिपोर्ट पेश करने को कहा है। इसी दिन अदालत में सिसोदिया की नियमित जमानत याचिका पर भी सुनवाई होनी है। सिसोदिया के वकील ने कहा कि सिसोदिया की पत्नी की चिकित्सकीय स्थिति पर तत्काल ध्यान दिए जाने की जरूरत है। साथ ही वकील ने अदालत से उन्हें अंतरिम जमानत देने का अनुरोध किया। सीबीआई के वकील ने कहा कि बृहस्पतिवार को रिपोर्ट पेश करना संभव नहीं होगा। इसपर अदालत ने सीबीआई के वकील से कोशिश करने और बृहस्पतिवार तक रिपोर्ट पेश करने को कहा ताकि अर्जी पर नियमित जमानत याचिका के साथ ही सुनवाई की जा सके।

कर्नाटक के मुदबिदरी में बजरंग बली के नारे से प्रधानमंत्री ने भाषण की शुरूआत की

तुष्टीकरण की नीति कांग्रेस की पहचान: मोदी

बेंगलुरु। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर्नाटक चुनाव में लगातार भाजपा के लिए प्रचार कर रहे हैं। दक्षिण कन्नड़ के मुदबिदरी में जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने अपने भाषण की शुरूआत बजरंग बली के नारे के साथ की। उन्होंने कहा कि भारत माता की - जय, बजरंग बली की - जय। मोदी ने कहा कि मैं शान्ति और सद्भावना का सन्देश देने वाले सभी मठों, तीर्थंकरों और संतों को श्रद्धापूर्वक नमन करता हूं। आज जिस सबका साथ और सबका विकास का मंत्र लेकर हम आगे बढ़ रहे हैं उसमें सभी संतों की ही प्रेरणा है। शामिल हुए। उन्होंने कहा कि बीजेपी का संकल्प कर्नाटक को देश में नंबर 1 बनाना है, कर्नाटक में आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करना है, कर्नाटक को मैन्युफैक्चरिंग सुपर पावर बनाना है। दूसरी तरफ कांग्रेस रिटायरमेंट के नाम पर.. बीजेपी के विकास कार्यों को नाकाम करने के नाम पर वोट मांग रही है।

मोदी ने कहा कि जनता-जर्नादन का आदेश मेरे सर आंखों पर। आखिरकार इस देश के 140 करोड़ लोग ही हमारा रिमोट कंट्रोल हैं। 10 मई को मतदान का दिन है। उन्होंने कहा कि ये हमारा रोड मैप है जबकि कांग्रेस आपका वोट इसलिए चाहती है क्योंकि वो बीजेपी की योजनाओं को, यहां के लोगों के विकास के लिए हुए कामों को पलटना चाहती है। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि कर्नाटक औद्योगिक विकास में नंबर-1 बने, हमारी कोशिश है कि कर्नाटक कृषि विकास में नंबर-1 बने, हमारा लक्ष्य है कि कर्नाटक स्वास्थ्य और शिक्षा में नंबर-1 बने। कांग्रेस क्या चाहती है? उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस कर्नाटक को... दिल्ली में जो उनका शाही परिवार बैठा है, उस परिवार का नंबर-1 एटीएम बनाना चाहती है।

हम आपके सेवक, आप जो हुकुम करोगे हम मानेंगे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंकोला में आयोजित एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि हम आपके सेवक हैं, आप जो हुकुम करोगे हम मानेंगे। हमारा कोई रिमोट कंट्रोल नहीं है। अगर हमारा कोई रिमोट कंट्रोल है तो वे 140 करोड़ हिंदुस्तानी हैं। प्रधानमंत्री ने सीधे तौर पर कांग्रेस पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि भाजपा की डबल-इंजन सरकार को कर्नाटक को आगे बढ़ाने के लिए सिर्फ 3 साल मिले थे और 3 सालों में शुरू में तो बहुत समय उनका कूड़ा कचरा साफ करने में गया। मोदी ने कहा कि उसके बाद हमने प्रदेश में विकास को तेजी से गति दी...और हमने इसे देश का नंबर-1 राज्य बनाने का संकल्प लिया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस-जेडीएस सरकार के समय सालाना 30,000 करोड़ का विदेश से निवेश आता था। डबल इंजन सरकार बनने के बाद 3 साल में निवेश बढ़कर सालाना 90,000 हजार करोड़ हो गया।

तुलसी गौड़ा और सुकरी बोम्मगौड़ा से मुलाकात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंकोला में पद्म श्री प्राप्तकर्ता तुलसी गौड़ा और सुकरी बोम्मागौड़ा से मुलाकात की। पीएम मोदी ने उत्तर कन्नड़ जिले के अंकोला में एक जनसभा से पहले पद्म प्राप्तकर्ताओं से मुलाकात की और उनका आशीर्वाद मांगा। पर्यावरणविद् तुलसी गौड़ा को 2021 में पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। वीडियो में दिखाई दे रहा है कि पीएम मोदी पद्म प्राप्तकर्ताओं के साथ बातचीत कर रहे हैं। उन्होंने हाथ मिलाया और गर्मजोशी से अभिवादन का आदान-प्रदान किया। जब तुलसी गौड़ा ने पीएम मोदी के पैर छूने की कोशिश की, तो उन्होंने उन्हें रोक लिया और दोनों महिलाओं के सामने झुककर उनका आशीर्वाद मांगा।

गौड़ा, जो कर्नाटक के होनाली गांव से हैं, ने 30,000 से अधिक पौधे लगाए थे और वन विभाग की नर्सरी की देखभाल करती हैं।

विकास के सपने को पूरा क्यों नहीं कर सके- प्रियंका

बेंगलुरु। कर्नाटक में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी लगातार चुनाव प्रचार कर रही हैं। इस दौरान वह भाजपा पर भी निशाना साध रही हैं। बुधवार को प्रियंका ने भाजपा पर निशाना साधते हुए लोगों से कहा कि आप उनसे पूछो कि उन्होंने कर्नाटक के लिए क्या किया? उन्होंने कहा कि हर बार चुनाव आते ही आपका ध्यान भटक जाता है। आप जवाब ही नहीं मांगते। कांग्रेस नेता ने कहा कि भाजपा के नेता जानते हैं कि जब जज्बाती मामला उठाकर वोट मिल रहा है तो काम क्यों करना? उन्होंने लोगों से कहा कि जाग जाओ... बहुत हुआ और भाजपा सरकार से पूछो कि आपने कर्नाटक में क्या किया? प्रियंका ने कहा कि मोदी को उनके लोग सर्वशक्तिमान, सर्वोपरि, सर्वश्रेष्ठ, विकास पुरुष बताते हैं। मोदी कर्नाटक में आकर कहते हैं- मेरा सपना था, कर्नाटक को देश में विकास की मिसाल बनाऊं। उन्होंने कहा कि ताज्जुब की बात है- कर्नाटक में भाजपा की सरकार थी तो मोदी ने यह सपना पूरा क्यों नहीं किया? आप तो सर्वोपरि हैं, सर्वश्रेष्ठ हैं। उन्होंने कहा कि पिछले साढ़े 3 सालों में उन्होंने (बीजेपी) कर्नाटक से डेढ़ लाख करोड़ रुपए लूटे हैं। इन्होंने जितना पैसा लूटा है इससे आपके लिए 100 एम्स के अस्पताल, 30,000 स्मार्ट क्लास रूम और 30 लाख गरीबों के लिए घर बन सकते थे। आज आपके सामने वो आपके मुद्दों पर बात नहीं कर सकते हैं इसलिए हर रोज कोई नया मुद्दा उठा लेते हैं जिससे आपके विकास से

उप्र नगर निकाय चुनाव, दूसरे चरण का प्रचार शुरू

नरक का प्रतीक मगहर अब स्वर्ग जैसा बना- योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मध्य काल के महान संत कबीर के आगमन के पूर्व मगहर के बारे में माना जाता था कि यह ऊसर भूमि है। मगहर में मृत्यु का मतलब सीधे नरक की बात होती थी, लेकिन संत कबीर ने उस धारणा को बदला। मगहर में उनकी महापरिनिर्वाण स्थली है। डबल इंजन सरकार ने संत कबीर अकादमी बनाकर उनके मूल्यों, आदर्शों व समाज में समता-समरसता के मूल्यों की स्थापना व शोध को बढ़ावा देने को प्रोत्साहित किया है। जो मगहर मध्यकाल में नरक का प्रतीक माना जाता था। डबल इंजन की सरकार में वह स्वर्ग सा प्रतीत हो रहा है। छह वर्ष में प्रदेश में हुए परिवर्तन इन बातों की तरफ ध्यान आकर्षित करते हैं।

सीएम ने बुधवार को संतकबीर नगर के जूनियर हाईस्कूल स्थित सभास्थल पर भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में अपनी बातें कहीं। पहले चरण में 28 स्थानों पर संवाद के बाद बुधवार से मुख्यमंत्री ने दूसरे चरण की रैलियों का आगाज किया।

पिछली सरकार ने किसानों पर गोली चलवाई थी, हमने चीनी मिल

सीएम ने कहा कि संतकबीर नगर से बहने वाली आमी छह साल पहले तक प्रदूषित थी। पालतू पशु उसके जल को ग्रहण कर ले तो मर जाता था। आज मगहर में आमी स्वच्छ, निर्मल, अविरल है। केंद्र व राज्य सरकार की एक जैसी गति के कारण यह संभव हुआ। हमने विकास को खांचों में बांटकर नहीं देखा। गरीबों की जाति-पंथ व मजहब न देखा। आपके जनपद व पूर्वांचल में भी इंफ्रास्ट्रक्चर डवलपमेंट के काम हुए। आपके बगल में मुंडेरवा चीनी मिल बंद हो गई थी। पिछली सरकारों ने किसानों पर गोली चलवाई। हमारी सरकार ने न सिर्फ चीनी मिल स्वीकृत की, बल्कि वहां की मिल पेराई भी कर रही है। यहां के किसानों के लिए यह सम्मान का माध्यम बना।

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे का लिंक एक्सप्रेसवे संतकबीर नगर होते हुए गोरखपुर जा रहा है। यहां औद्योगिक गलियारा बनेगा, उद्योग लगेंगे तो नौजवानों को रोजगार मिलेगा। सीएम ने कहा कि छह वर्ष में आपने यूपी व 9 वर्ष में देश में परिवर्तन देखा है। पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत वैश्विक मंच पर नेतृत्व देने की सामर्थ्य देने की शक्ति रखता है।

पैसे का सही इस्तेमाल हो, इसलिए मुख्यमंत्री स्वयं प्रचार करने आए हैं

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लोगों को लगेगा कि नगर निकाय चुनाव में सीएम स्वयं प्रचार करने आ रहे हैं। हां, मैं आ रहा हूं क्योंकि दिल्ली व लखनऊ से जो पैसे भेज जाएंगे। उसका सही इस्तेमाल जनता के हित में हो। 2017 के पहले भी पैसा था, लेकिन गरीबों को मकान नहीं मिलता था। पैसे का बंदरबांट हो जाता था। 70 वर्षों तक पैसा कहां गया, सिर्फ कुछ लोगों के जेब में गया। अन्यथा हर गरीब के पास शौचालय, आवास होता। नगरीय क्षेत्रों में जल निकासी की समुचित व्यवस्था हुई होती। 2017 के पहले पार्टी विशेष के लोग तमंचा लगाकर व्यापारियों से रंगदारी मांगते थे। हम व्यापारी कल्याण बोर्ड बनाकर 10 लाख की सुरक्षा बीमा कवर देते हैं। आज किसी गुंडे के हाथ में तमंचा नहीं है। युवाओं के हाथ में टैबलेट है। सीएम ने भाजपा व निषाद पार्टी के प्रत्याशियों को जिताने की अपील की।

जनसभा स्थल पर प्रदेश सरकार के मंत्री डॉ. संजय निषाद, संतकबीर नगर की प्रभारी मंत्री विजयलक्ष्मी गौतम, सांसद प्रवीण निषाद, भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय, संतकबीर नगर के विधायक अंकूर राज तिवारी, मेंहदावल के विधायक अनिल तिवारी, धनघटा के विधायक गणेश चौहान, जिलाध्यक्ष जगदंबा श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

खेल
प्रमुख समाचार

केकेआर के खिलाफ आज सनराइजर्स के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों पर होगा दबाव

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद गुरुवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में जब कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का सामना करेगा तो उसके शीर्ष क्रम पर अच्छा प्रदर्शन करने का दबाव होगा। इन दोनों टीमों का प्रदर्शन अभी तक अच्छा नहीं रहा है और उन्हें प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए आगे सभी मैचों में अच्छा खेल दिखाना होगा। केकेआर के अभी नौ मैचों में छह जबकि सनराइजर्स के आठ मैचों में छह अंक हैं। अंक तालिका में वे क्रमशः आठवें और नौवें स्थान पर हैं। सनराइजर्स के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के प्रदर्शन में अभी तक निरंतरता का अभाव रहा है। पिछले मैच में अभिषेक शर्मा को पारी का आगाज करने के लिए भेजने का फैसला सही साबित हुआ था लेकिन टीम अन्य सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल से भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद कर रही होगी।

सनराइजर्स के बल्लेबाज अभी तक सामूहिक योगदान देने में असफल रहे हैं और अगर टीम को प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखना है तो उसके बल्लेबाजों को निरंतर अच्छा प्रदर्शन करना होगा। अग्रवाल अभी तक 110 की स्ट्राइक रेट से ही रन बना पाए हैं जबकि तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरने वाले राहुल त्रिपाठी भी उपयोगी योगदान नहीं दे पाए हैं। कप्तान एडेन मार्कराम को आगे बढ़कर नेतृत्व करने की जरूरत है जबकि हैरी ब्रूक एक शतक जमाने के बावजूद अधिकतर मैचों में असफल रहे हैं। उन्हें फिर से मध्यक्रम में उतारा जा रहा है और उम्मीद है कि वह कुछ लय हासिल करेंगे। ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर चोटिल होने के कारण आईपीएल से बाहर हो गए हैं जो सनराइजर्स के लिए करारा झटका है। गेंदबाजी में उमरान मलिक महंगे साबित हुए हैं जो कि टीम के लिए चिंता का विषय है।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 161 अंक, निफ्टी 57 अंक गिरावट के साथ बंद

नईदिल्ली। कमजोर ग्लोबल संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजार में बिकवाली देखने को मिल रही है। आज के कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों इंडेक्स कमजोर हुए हैं। सेंसेक्स में 161 अंकों की गिरावट है। सेंसेक्स 161.41 अंक यानी 0.26 फीसदी गिरकर 61,193.30 अंक पर बंद, निफ्टी 57.80 अंक यानी 0.32 फीसदी फिसलकर 18,089.85 अंक के स्तर पर क्लोज हुआ। ग्लोबल संकेतों की बात करें तो आज एशियाई बाजारों में बिकवाली रही है। आईटी शेयरों में एक बार फिर बिकवाली देखी गई है। आज के कारोबार में चौतरफा बिकवाली देखने को मिल रही है। निफ्टी पर बैंक, आईटी, फाइनेंशियल, आटो, मेटल, फार्मा सहित ज्यादातर इंडेक्स लाल निशान में दिख रहे हैं। सिर्फ रियल्टी इंडेक्स हरे निशान में है।

सर्विस सेक्टर अप्रैल में करीब 13 साल के उच्च स्तर पर पहुंची

नईदिल्ली। देश में सर्विस सेक्टर की वृद्धि अप्रैल में करीब 13 साल के उच्चस्तर पर पहुंच गई। एक मंथली सर्वे में बुधवार को यह जानकारी दी गई है। सर्वे में कहा गया है कि मजबूत मांग परिस्थितियों से नए बिजनेस और प्रोडक्शन में काफी तेज वृद्धि देखने को मिली। खास बात यह है कि कीमत के मोर्चे पर दबाव के बावजूद मांग बढ़ी है। सीजनल रूप से समायोजित एसएंडपी ग्लोबल इंडिया सर्विसेज पीएमआई इंडेक्स अप्रैल में बढ़कर 62 पर पहुंच गया। यह मार्च में 57.8 के स्तर पर था। इन आंकड़ों से पता चलता है कि देश में सर्विस सेक्टर की गतिविधियों में 2010 के मध्य के बाद सबसे तेज विस्तार हुआ है। अनुकूल बाजार परिस्थितियों तथा नए कारोबार में वृद्धि से सेवा पीएमआई यह उछाल दर्ज हुआ है। यह लगातार 21वां महीना है जबकि सेवा पीएमआई 50 के स्तर से ऊपर बना हुआ है।

अदाणी विल्मर का चौथी तिमाही में मुनाफा 60 प्रतिशत घटा

नईदिल्ली। खाद्य तेल क्षेत्र की प्रमुख कंपनी अदाणी विल्मर का बीते वित्त वर्ष की मार्च में समाप्त चौथी तिमाही का कंसोलिडेट नेट प्रॉफिट 60 प्रतिशत घटकर 93.61 करोड़ रुपये रह गया है। आमदनी घटने से कंपनी का मुनाफा भी नीचे आया है। इससे पिछले वित्त वर्ष 2021-22 की चौथी तिमाही में कंपनी ने 234.29 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट कमाया था। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कंपनी ने कहा कि तिमाही के दौरान उसकी कुल आय घटकर 13,945.02 करोड़ रुपये रह गई, जो एक साल पहले समान तिमाही में 14,979.83 करोड़ रुपये थी। वहीं, पूरे वित्त वर्ष 2022-23 में अदाणी विल्मर का मुनाफा 803.73 करोड़ रुपये से घटकर 582.12 करोड़ रुपये रह गया। हालांकि, वित्त वर्ष के दौरान कंपनी की आय बढ़कर 58,446.16 करोड़ रुपये हो गई। 2021-22 में यह आंकड़ा 54,327.16 करोड़ रुपये था। अदाणी विल्मर फॉर्च्यून ब्रांड के तहत खाद्य तेल बेचती है।

मैच्योरिटी से पहले निकाल सकते हैं एनपीएस से पैसा

नईदिल्ली। नेशनल पेंशन सिस्टम यानी एनपीएस एक ऐसी पेंशन और लॉन्ग-टर्म इन्वेस्टमेंट स्कीम है, जहां आपके द्वारा जमा धनराशि का एकसपोजर इक्विटी और डेट दोनों में है। इस स्कीम के तहत अकाउंट होल्डर को रिटायरमेंट के बाद एकमुश्त राशि तो मिलती ही है, साथ ही नियमित पेंशन भी मिलती है। इस स्कीम पर ट्रिपल टैक्स बेनिफिट यानी इन्वेस्टमेंट, रिटर्न और मैच्योरिटी तीनों पर टैक्स में छूट है। ज्यादातर लोग अब भी यही समझते हैं कि इस स्कीम में रिटायरमेंट से पहले किसी तरह की निकासी का प्रावधान नहीं है। लेकिन ऐसा नहीं है। आप कुछ खास परिस्थितियों या कुछ खास जरूरतों की पूर्ति के लिए इस स्कीम से कुछ शर्तों के साथ आंशिक निकासी कर सकते हैं। पेंशन फंड रेगुलेटरी और डेवलपमेंट अथॉरिटी ने नेशनल पेंशन सिस्टम से आंशिक निकासी को लेकर इस साल कुछ नए नियम भी जारी किए हैं।

क्वांटम तकनीक से बढ़ेगी भारत की ताकत, डाटा सुरक्षा होगी मजबूत

निरंकार सिंह

भारत सहित कई देशों के वैज्ञानिक क्वांटम तकनीक का विकास करने के लिए प्रयासरत हैं। डिजिटल युग में जिसके पास डाटा है, वही शक्तिशाली है। क्वांटम कंप्यूटर डाटा प्रोसेस करने की रफ्तार बहुत अधिक बढ़ा देगा। यह कम जगह में ज्यादा डाटा स्टोर कर सकता है और डाटा प्रोसेस व गणना की तकनीक को अधिक दक्ष बना देगा, जिससे ऊर्जा की खपत भी कम होगी। आज क्वांटम कंप्यूटर को बनाने के लिए अनेक बहुराष्ट्रीय कंपनियां और विभिन्न देशों की सरकारें राष्ट्रीय रक्षा बजट का बड़ा हिस्सा इसके ऊपर खर्च कर रही हैं। दो हफ्ते पहले भारत सरकार ने भी नेशनल क्वांटम मिशन को मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही भारत दुनिया का सातवां ऐसा देश बन गया है, जो क्वांटम तकनीक में अनुसंधान और विकास का कार्य कर रहा है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में 19 अप्रैल, 2023 को 6,003.65 करोड़ रुपये की कुल लागत से 2023-24 से 2030-31 तक के लिए राष्ट्रीय क्वांटम मिशन को मंजूरी दी है। केंद्र सरकार के अनुसार, इससे वैज्ञानिक और औद्योगिक शोध एवं विकास कार्यों को मदद पहुंचाई जाएगी। फिलहाल, दुनिया में छह देशों के पास इससे जुड़ी तकनीक है, लेकिन ये सभी देश अनुसंधान एवं विकास चरण में हैं। उनमें से किसी ने भी क्वांटम तकनीक पर कोई अनुप्रयोग शुरू नहीं किया है। ऐसे में अब भारत भी इन देशों की बराबरी करने जा रहा है। क्वांटम तकनीक से जानकारी को तेज व सुरक्षित ढंग से उपयोग में लाया जा सकेगा।

क्वांटम टेक्नोलॉजी मिशन का उद्देश्य सुपरकंडक्टिंग और फोटोनिक टेक्नोलॉजी जैसी प्लेटफॉर्म का उपयोग करके आठ वर्षों में 50-1,000 फिजिकल क्यूबिट्स के साथ

इंटरमीडिएट-स्केल क्वांटम कंप्यूटर विकसित करना है। यह मिशन 2,000 किलोमीटर तक इंटर-सिटी क्वांटम के वितरण और मल्टी-नोड क्वांटम नेटवर्क स्थापित करने का लक्ष्य रखता है। यह मिशन एटॉमिक सिस्टम में उच्च संवेदनशील मैग्नीटोमीटर और अत्यंत सटीक टाइमिंग, संचार और नेविगेशन के लिए एटॉमिक क्लॉक विकसित करने पर भी ध्यान केंद्रित करेगा। अभी बहुत अधिक आंकड़ों के समूह में से कम समय में कुछ आवश्यक सूचनाएं प्राप्त करना एक बड़ी समस्या है, जिसे पारंपरिक कंप्यूटर की तुलना में क्वांटम कंप्यूटर बहुत ही आसानी से और जल्दी कर सकता है। बैंकिंग तथा सुरक्षा अनुप्रयोगों में उपयोग किए जाने हेतु कई एनक्रिप्शन सिस्टम का उपयोग पारंपरिक कंप्यूटरों में किया जाता है, जो गणितीय समस्याओं को सुलझाने में एक सीमा के बाद असमर्थ हैं। क्वांटम कंप्यूटर इन कमियों को दूर कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, ये वैज्ञानिक अनुसंधानों, खगोलीय अंतरिक्ष मिशनों, डाटा संरक्षण, आदि के लिए उपयोगी हो सकते हैं। क्वांटम तकनीक के विशेषज्ञों के अनुसार, क्वांटम तकनीक सूचनाओं की प्रोसेसिंग में क्रांतिकारी बदलाव लाने की क्षमता रखती है। सभी सूचनाएं बाइनरी सिस्टम में एनकोड (लिखी जाती) होती है।

कुछ साल पहले तक क्वांटम कंप्यूटिंग वैज्ञानिकों के लिए भी एक सैद्धांतिक कल्पना जैसी ही थी, लेकिन पिछले दो वर्षों में पूरा परिदृश्य ही बदल गया है। इस दिशा में हो रही प्रगति के रफ्तार का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि पूरा क्वांटम कंप्यूटर तो नहीं, पर उसके प्रोसेसर या सेंट्रल प्रोसेसिंग यूनिट (सीपीयू) को बाजार में लॉन्च किया जा चुका है। क्वांटम तकनीक भविष्य में क्रांति ला सकती है। स्वास्थ्य एवं विज्ञान, सुरक्षा, औषधि निर्माण और औद्योगिक निर्माण जैसे क्षेत्रों में हजारों नई संभावनाएं पैदा होंगी। आने वाले दिनों में इस दिशा में तीव्र प्रतिस्पर्धा भी देखने को मिल सकती है।

सरकारों की सबसे ज्यादा दिलचस्पी रक्षा क्षेत्र में इनका इस्तेमाल करने में है, जैसे कि बेहद सुरक्षित संवाद स्थापित करना या दुश्मन के विमानों का पता लगाना। लेकिन क्वांटम कंप्यूटर को लेकर बड़ी चिंता इसके एनक्रिप्शन कोड को हल करने को लेकर है। अभी तक एनक्रिप्शन कोड को डाटा सुरक्षा के लिहाज से विश्वसनीय माना जाता था, जो कि क्वांटम कंप्यूटर द्वारा आसान हो जाएगा।

बजरंग दल पर प्रतिबंध कांग्रेस का आत्मघाती कदम

नीरज कुमार दुबे

नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने देश विरोधी गतिविधियों में लिप्त संगठन पीएफआई पर प्रतिबंध लगाया और अपनी इस उपलब्धि का कर्नाटक विधानसभा चुनावों के लिए जारी प्रचार के दौरान उल्लेख करना शुरू किया तो कांग्रेस को बात चुभ गयी। कांग्रेस को लगा कि इससे एक वर्ग का ध्रुवीकरण भाजपा के पक्ष में हो सकता है। कांग्रेस ने इसकी काट सोचनी शुरू की और काफी मंथन के बाद उसने जो काम किया है उससे कांग्रेस पर हिंदू विरोधी सोच रखने के आरोप लग गये हैं। हम आपको बता दें कि कर्नाटक विधानसभा चुनावों के लिए कांग्रेस ने अपना जो घोषणापत्र जारी किया है उसमें उसने ऐलान किया है कि वह सत्ता में आने पर बजरंग दल पर प्रतिबंध लगा देगी। इसके अलावा कांग्रेस ने यह भी वादा किया है कि वह मुस्लिमों के लिए चार प्रतिशत आरक्षण रद्द करने के बोम्मई सरकार फैसले को पलट देगी। कांग्रेस ने यह भी ऐलान किया है कि वह भाजपा सरकार के कई और फैसलों को पलटेगी। इसलिए सवाल उठता है कि यदि कांग्रेस को सत्ता मिली तो वह भाजपा सरकार के कौन-कौन-से फैसलों को पलटेगी? क्या भाजपा ने जबरन धर्मांतरण विरोधी जो कानून बनाया था उसे पलट दिया जायेगा? भाजपा ने शिक्षण संस्थानों में हिजाब पहनने पर आपत्ति जताते हुए उस पर जो रोक लगाई थी, क्या वह हटा दी जायेगी? क्या कर्नाटक में भाजपा ने गौ हत्या के खिलाफ जो कानून बनाया था उसे रद्द कर दिया जायेगा? सवाल यह भी है कि जब कांग्रेस को तुष्टिकरण की राजनीति ही करनी है तो वह हिंदूवादी होने का ढोंग क्यों करती है? सवाल यह भी है कि क्या अपने कार्यकाल में पीएफआई की देशविरोधी गतिविधियों को नजरअंदाज करने वाली कांग्रेस ने कभी बजरंग दल को समझने की कोशिश की? सवाल यह भी है कि कहीं राम के अस्तित्व को ही स्वीकार करने से इंकार करने वाली कांग्रेस को %बजरंग% नाम पर तो आपत्ति नहीं है? कांग्रेस पीएफआई और बजरंग दल को एक नजर से देख रही है तो यह उसकी नजरों का खोट ही कहा जायेगा क्योंकि पीएफआई एक आतंकी संगठन है जो किसी का हाथ काट देता है, किसी का सर तन से जुदा कर देता है तो किसी का निर्मम तरीके से मर्डर करवा देता है तो कभी देश में दंगे भड़काता है तो कभी अन्य देशविरोधी गतिविधियां चलाता है और उसका मिशन 2047 तक भारत को इस्लामिक राष्ट्र बनाना है। दूसरी ओर बजरंग दल की बात करें तो इस संगठन का काम इसके गठन के समय से ही समाज की सेवा, भारतीय संस्कृति का यशोगान करना, हिंदू धर्म के पर्वों-त्योहारों पर विराट कार्यक्रमों का आयोजन कर धार्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों का प्रचार प्रसार करना, युवाओं में देशप्रेम का भाव जागृत कर उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनाने के संस्कार देना और 2047 तक भारत को पुनः विश्व गुरु बनाने का संकल्प को सिद्ध करना है। कांग्रेस को समझना होगा कि जैसे उसने आरएसएस की तुलना आतंकी संगठन मुस्लिम ब्रदरहुड से करके अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारी थी वैसे ही उसने एक बार फिर बजरंग दल पर प्रतिबंध की बात कह कर देश के सनातन समाज की नाराजगी मोल ले ली है। यही कारण है कि अब चुनाव प्रचार जब अंतिम दौर में है तब कांग्रेस से अति उत्साह में गलती पर गलती होती चली जा रही है। कांग्रेस ने बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने का वादा कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी अपने ऊपर हमलावर होने का अवसर प्रदान कर दिया है। कांग्रेस का घोषणापत्र सामने आते ही प्रधानमंत्री ने कह भी दिया है कि यह देश का दुर्भाग्य है कि कांग्रेस पार्टी को प्रभु श्रीराम से भी तकलीफ होती थी और अब जय बजरंगबली बोलने वालों से भी तकलीफ हो रही है। दूसरी ओर, जहां तक इस मुद्दे पर विश्व हिन्दू परिषद की प्रतिक्रिया की बात है तो आपको बता दें कि परिषद के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. सुरेंद्र जैन ने भी कांग्रेस की तीखी आलोचना करते हुए उसे हिंदू विरोधी बताया है।

राजनीति बस राजनीति होती है!

अनुज अग्रवाल

उत्तर प्रदेश का कुख्यात राजनीतिक माफिया जिसका साम्राज्य हज़ारो करोड़ रुपयों का था, अतीक अहमद अपने भाई अशरफ के सहित मारा गया, इससे पहले उसका पुत्र पुलिस एनकाउंटर में मारा गया तो उधर बिहार का राजनीतिक माफिया आनंद मोहन सिंह जो एक जिलाधिकारी की हत्या में दोषी साबित होने के कारण आजीवन कारावास की सजा भोग रहा था उसको बिहार की नीतीश सरकार ने जेल मैनुअल में संशोधन कर छ- वर्ष पहले ही रिहा कर दिया। शायद उनके इस कदम से लोकसभा चुनावों से पूर्व विपक्ष को एक करने की उनकी मुहिम को बल मिलने जा रहा होगा। इधर हाल ही में राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा पाई आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल के बंगले के रख रखाव में 43 करोड़ रुपए खर्च किए जाने की खबर सामने आई। उनकी पार्टी के नंबर दो और तीन फिलहाल शराब घोटाले, मनी लांडरिंग व भ्रष्टाचार के आरोपी बन जेल में बंद हैं और स्वयं उनसे सीबीआई पूछताछ कर चुकी है किंतु इस सबसे उनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं व विस्तार पर कोई असर पड़ता नहीं दिख रहा। लालू यादव का तो पत्नी, बेटे, बेटी सहित पूरा परिवार ही अनेक घोटालों की जांच का लगातार सामना कर रहा है किंतु जाति- धर्म की विभाजन की राजनीति के बीच उनकी राजनीति की दुकान पूरे ज़ोर शोर से चल रही है।भाजपा नेता व कुश्ती संघ के अध्यक्ष बाहुबली बृजभूषण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न आदि आरोपों के साथ कुछ प्रमुख पहलवान खिलाड़ी महीनों से आंदोलित हैं किंतु सरकार के कानो में जूँ तक नहीं रेंग रही क्योंकि वे इसके पीछे दीपेंद्र हुड्डा के कुश्ती संघ पर क़ब्ज़े के खेल और विपक्ष के मोदी सरकार को बदनाम करने के षड्यंत्र मान रही है। और तो और जलवायु परिवर्तन, कोरोना व यूक्रेन संकट के कारण भूख, गरीबी बीमारी व महंगाई झेल रहे देश जिसकी अस्सी करोड़ जनसंख्या सरकारी अनाज पर निर्भर है को उच्चतम न्यायालय समलैंगिक अधिकार देने में जुटा है जबकि जग ज़ाहिर है कि इसके पीछे ड्रग्स व मेडिकल माफिया के भी बड़े खेल हैं।

सच्चाई यही है कि राज्य हो या केंद्र हर स्तर पर राजनीति का अर्थ पैसा बन चुका है। पार्टी पदाधिकारी बनने से लेकर प्रधानी, जिला परिषद सदस्य व अध्यक्ष, वार्ड मेंबर, नगर पालिका व नगर निगम अध्यक्ष, विधायक, सांसद, निगमों के अध्यक्ष, मंत्री आदि बनने व पाला बदलने के लिए कभी भी राजनीतिक दल व नेता कोई भी डील कर लेते हैं और उसके बाद बड़ी बेशर्मी से उसे न्यायोचित भी ठहराते रहते हैं। सत्ता प्राप्ति की राह वोट बैंक रूपी टोल नाके से गुजरती है जिससे गुजरने पर सबको टोल देना होता है। यह टोल सरकारी कल्याणकारी योजना के लाभ, पेंशन, छात्रवृत्ति,डायरेक्ट मनी ट्रांसफर या फिर शराब, नकदी और उपहार बाँट कर दिया जाता है। इस खर्च की भरपाई टिकट व पद के उम्मीदवारों से नकदी लेकर, सरकारी धन बाँट कर, ठेकों में कमीशन लेकर, विभिन्न घोटालों के माध्यम से अथवा वास्तविक लागत से कई गुने पर ठेका आवंटित कर की जाती है। यह एक शाश्वत प्रक्रिया बन चुकी है व सभी दल इसमें पारंगत हैं। राजनीतिक दलों को मिलने वाले चंदे व उनके द्वारा रैलियों, चुनावों, यातायात व दैनिक प्रबंधन आदि पर होने वाला खर्च में कई गुना अंतर होता है। चुनाव प्रचार व सामग्री, रैलियों, मीडिया, सर्वे एजेंसियों, पेड कार्यकर्ताओं, वोटरों को दिए जाने वाले धन, उपहार व शराब आदि के खर्चे सब नकद में होते हैं व सालाना आधार पर देश की जीडीपी के 2% तक हो सकते हैं। किंतु अब ये चर्चा के बिंदु नहीं बन पाते। कर्नाटक चुनावों में ही अभी तक चुनाव आयोग 450 करोड़ अवैध रुपए वसूल चुका है किंतु अब यह बहस का मुद्दा ही नहीं है।

ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी जी का जाँच एजेंसियों को बिना किसी दबाव के काम करने के आह्वान के सीमित परिणाम ही निकल पा रहे हैं क्योंकि जितने अतीक अहमद जैसे माफिया निबटते हैं उससे कई गुना सामने आ जाते हैं। ऐसा इसलिए है कि भारत की राजनीति आज भी अल्पसंख्यकवाद बनाम बहुसंख्यकवाद के बीच झूल रही है। निश्चित रूप से भारतीय चुनावी राजनीति की विकृति अल्पसंख्यकवाद वाली सेकुलर राजनीति की ही देन हैं जिसने वोट बैंक की राजनीति को बढ़ावा दिया। लंबे समय तक देश में सत्तारूढ़ रही कांग्रेस पार्टी ने भीम - मीम एकता के नारे के साथ ब्राह्मण, दलित व मुस्लिम वोट बैंक के सहारे सत्ता पर कब्जा रखा।उसके इस फार्मूले का अंधानुकरण दर्जनों राजनीतिक दलों ने विभिन्न राज्यों में व केंद्र में किया और हर जाति व पंथ के लोग अलग अलग दल का वोट बैंक बन गए। विभाजन की राजनीति ने भाषा, क्षेत्र, जल, कृषि व खनिज संसाधन हर सामान्य चीज को मुद्दा बना दिया। हमारे देश में इस तरह की राजनीति करने वाले राजनीतिक दल आसानी से चीन, अरब देशों, अमेरिका व यूरोप से वैध - अवैध सहायता व समर्थन लेते रहते हैं।

पिछले दस वर्षों में भारत में बहुसंख्यकवाद की राजनीति मुख्यधारा में आ चुकी है। बीजेपी और प्रधानमंत्री मोदी इस राजनीति के प्रवर्तक हैं। अब यह प्रयोग सफल होकर स्थायी स्वरूप ले चुका है। लगातार दो कार्यकाल पूरा करने की ओर बढ़ रही मोदी सरकार की बढ़ती लोकप्रियता इस बात का सबूत है। हताश, निराश व बिखरा विपक्ष आज भी अपनी पुरानी सोच व विभाजन की राजनीति से बाहर नहीं निकल पा रहा। आगामी लोकसभा चुनाव विपक्ष की राजनीति का लिटमस टेस्ट साबित होने वाले हैं। अगर वे विफल रहते हैं तो भारत में अल्पसंख्यकवाद व विभाजन की राजनीति हमेशा के लिए हाशिए पर चली जाएगी। ऐसे में हम उम्मीद कर सकते हैं कि सन् 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद देश की राजनीति में आमूलचूल परिवर्तन हो सकते हैं व यह बहुसंख्यकवाद बनाम राष्ट्रवाद का स्वरूप ले लेगी और इसकी बहुत सी वर्तमान विकृतियाँ सिमट जाएँगी। किंतु हमको बहुत आशावादी नहीं होना चाहिए क्योंकि राजनीति का मूल चरित्र ही मुद्दे पैदा कर उन पर संघर्ष का होता है। इसलिए कहा भी जाता है कि भाई राजनीति राजनीति होती है।

प्रसंग — राम सरिस कोउ माहीं

एक बार गोस्वामी तुलसीदास सन्त नाभादास से सत्संग करने वृन्दावन गए। तब उन्हें यह देख बड़ा दुःख हुआ कि यत्र-तत्र कृष्ण का ही भजन-पूजन हो रहा है और उनके आराध्यदेव रामचन्द्रजी का नाम कहीं सुनायी ही नहीं दे रहा है। तब उनके मुख से ये शब्द फूट पड़े-

राधा-कृष्ण सबै कहैं, आक ठाक अरु कैर ।
तुलसी का ब्रज मों कहा, सियाराम सों बैर ।।

उनके मन मन्दिर में तो प्रभु रामचन्द्र की ही मन-मोहक मूर्ति विराजमान थी, अतः दी, तो उन्होंने संकल्प किया कि जब तक राघवेंद्र की मूर्ति दिखायी नहीं देगी, वे अपना माथा नहीं नवाएँगे और आँख बन्द कर उन्होंने निम्न दोहा कहा-

कहा कहाँ छबि आज की, भले बने हो नाथ ।
तुलसी मस्तक तब नवै, धनुष-बाण लो हाथ ॥

और दीनदयालु श्रीकृष्ण को उनके संकल्प के आगे झुकना पड़ा। उन्होंने ज्योंही आँखें खोलीं, सामने रघुकुल-तिलक श्रीराम की प्रतिमा दिखायी दी और तब उन्होंने दण्डवत् प्रणाम किया।

महाराष्ट्रकवि मोरोपन्त (मयूर कवि) ने %केकावलि में उपर्युक्त घटना का इस प्रकार वर्णन किया है-

श्रीकृष्णमूर्ति जेणें केली. श्रीराममूर्ति सज्जन हो।
रामसुत मयूर म्हणें त्याचा सुयशामृतांत मज्जन हो ।।

आज की महत्वपूर्ण घटनाएं

1974 एक सभी महिला जापानी टीम मानसालु इंहे हिमालय के शिखर पर पहुंची, जो 8,000 मीटर की चोटी पर चढ़ने वाली पहली महिला बन गई।
1978 पेरिस में कम्युनिस्ट कार्यकर्ता हेनरी क्यूरीएल की हत्या की गयी।
1979 मार्गरेट थ्रैचर ब्रिटेन की पहली महिला प्रधानमंत्री बनी, जो अभी तक ब्रिटेन की पहली और अकेली महिला प्रधानमन्त्री हैं।
1983 चीन ने परमाणु परीक्षण किया।
1987 अमेरिका का पहला बैंक नेशनल हिस्टोरिक लैंडमार्क नाम से सूचीबद्ध हुआ।
2000 केन लिविंगस्टोन ने लंदन के पहले मेयर के रूप में पदभार संभाला।
2003 मैक्सिको की अन्ना गुएवेरा ने 35.30 सेकेण्ड का समय लेकर ग्रांप्री मीटर की 300 मीटर दौड़ में विश्व रिकार्ड बनाया।
2013 अफगानिस्तान के कंधार में एक बम्ब ब्लास्ट में 5 अमेरिकी सैनिकों मारे गए।
2014 जुआन कार्लोस वरेला पनामा के राष्ट्रपति चुने गए।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

शारीरकोपनिषद्

यह उपनिषद् कृष्ण यजुर्वेद से सम्बद्ध है। इसमें कुल 20 मन्त्र हैं, जिसमें सृष्टि प्रक्रिया का विशद वर्णन है। सर्वप्रथम शरीर में विद्यमान पंचतत्वों का परिचय कराया गया है। इसके बाद पंच ज्ञानेन्द्रियों, पंचकर्मेन्द्रियों, पंच तन्मात्राओं आदि का उत्पत्ति क्रम वर्णित है। अन्तःकरण चतुष्टय तथा उनका शरीर में स्थान कहाँ है? इसका भी उल्लेख हैं। इसी प्रकार अन्य अनेक तत्वों का क्रमश- उद्भव और विकास वर्णित हैं। आगे चल कर सत, रज, तम तीनों गुणों का स्वरूप और विभाग का वर्णन किया गया है। अन्त में 17 तत्वों वाले सूक्ष्म शरीर, 24 तत्वों वाली प्रकृति तथा पुरुष को लेकर 25 तत्व वाले पूरे विश्वब्रह्मांड का स्वरूप प्रतिपादित हुआ है। तत्वबोध की दृष्टि से इस उपनिषद् का विशेष महत्वपूर्ण स्थान कहा जा सकता है।

पृथ्वी आदि पंचमहाभूतों का समुच्चय ही यह शरीर है। इस शरीर में जो ठोस पदार्थ हैं, वह पृथ्वी तत्त्व है। जो द्रव पदार्थ हैं, वह जल तत्त्व है। जो ऊष्मा है, वही अग्नि तत्त्व है। जो सतत गतिशील है, वह वायु तत्त्व हैं और जो सुषिर (पोला छिद्रयुक्त) है, वह ही आकाश तत्त्व है।

श्रोत्रादि पाँच ज्ञानेन्द्रियाँ हैं। आकाश तत्त्व में श्रोत्र, वायु तत्त्व में त्वचा, अग्नि (तेज) तत्त्व में नेत्र, जल तत्त्व में जिह्वा तथा पृथिवी तत्त्व में घ्राणेन्द्रिय विद्यमान है। इन सभी इन्द्रियों के विषय क्रमशः शब्द, स्पर्श, रूप, रस और गन्ध हैं, वे सभी पृथिवी आदि महाभूतों से प्रादुर्भूत हुए हैं। वाक्, हस्त, पाद, गुदा एवं उपस्थ (जननेन्द्रिय) कर्मेन्द्रियाँ कही गयी हैं। इन सभी इन्द्रियों के विषय क्रम से वचन, आदान-प्रदान, गमन, विसर्जन और आनन्द हैं, जो पृथ्वी आदि महाभूतों से ही प्रकट होते हैं।

मन, बुद्धि, चित्त और अहंकार इन चारों को अन्तःकरण (चतुष्टय) कहा गया है। इनके विषय क्रमश- इस प्रकार हैं- 1. संकल्प-विकल्प, 2. निश्चय, 3. अवधारणा और 4. अभिमान मन का क्षेत्र गले का अन्तिम भाग, बुद्धि का स्थान मुख, चित्त का क्षेत्र नाभि और अहंकार का क्षेत्र हृदय बताया गया है। अस्थि, त्वचा, नाड़ी, रोमकूप तथा मांस- ये सभी पृथ्वी तत्त्व के अंश हैं। मूत्र, कफ, रक्त, शुक्र तथा स्वेद (पसीना) - जल तत्त्व के अंश हैं। क्षुधा, पिपासा, आलस्य, मोह और मैथुन अनि तत्त्व के अंश हैं। फैलाना, दौड़ना, गति करना (चलना), उड़ना, पलकों को संचालित करना आदि वायु तत्त्व के अंश हैं और काम, क्रोध, लोभ, मोह, भय आदि आकाश तत्त्व के अंश हैं।

क्रमशः ...

अंतरराष्ट्रीय अग्निशमन दिवस

हर साल 4 मई को अंतरराष्ट्रीय अग्निशमन दिवस मनाया जाता है। आपदा में फायरफाइटर्स के बलिदान के रूप में अग्निशमन दिवस मनाया जाता है। इस दिन अग्निशामकों के बलिदानों को चिन्हित और उन्हें सम्मानित किया जाता है। इनके बलिदान और बहादुरी के कारण लोग और पर्यावरण सुरक्षित रहते है। तेज उठती लपटें और उनके बीच किसी के उजड़ते आशियाने को बचाने के लिए ये लोग अपनी जान भी दांव पर लगा देते है। इस खतरनाक काम को अंजाम देने के लिए ये लोग एक बार भी खुद के बारे में नहीं सोचते है। अपने फर्ज को निभाने के लिए एक फोन कॉल पर आ जाते है और धधकी आग शांत करने के लिए अपनी जान की बाजी भी लगा देते है।

अंतरराष्ट्रीय अग्निशमन दिवस पहली बार साल 1999 में मनाया गया। बताया जाता है कि ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया स्थित लिंटन की झाड़ियों में आग लगी थी। इस आग को बुझाने गई टीम के पांच सदस्यों की झुलसकर मौत हो गई थी। अचानक हवा की दिशा बदलने से पांचों फायर फाइटर आग में फंस गए। उनके बलिदान और बहादुरी के सम्मान में हर साल 4 मई को अंतरराष्ट्रीय अग्निशमन दिवस मनाया जाता है। दूसरा कारण यह है कि इस दिन संत फ्लोरिन की मृत्यु हो गई थी। फ्लोनि संत और फायर फाइटर थे। ऐसा कहा जाता है कि एक बार उनके गांव में आग लग गई थी तो उन्होंने महज एक बाल्टी पानी से पूरे गांव की आग बुझा दी थी। इसके बाद से यूरोप में हर साल 4 मई को फायर फाइटर मनाया जाने लगा।

अंतर्राष्ट्रीय फायरफाइटर्स डे के प्रतीक में लाल और नीले रंग के रिबन होते हैं। इस रिबन को पांच सेंटीमीटर लंबा और एक सेंटीमीटर चौड़ा काटा जाता है। जिसके शीर्ष पर दो अलग-अलग रंग होते हैं। लाल और नीले रंगों का अर्थ अलग अलग है। लाल आग के तत्व के लिए खड़ा था जबकि नीला पानी के तत्व का प्रतिनिधित्व करता है। आपातकालीन सेवाओं को सूचित करने के लिए लाल और नीले रंग मान्यता दी गई है।

दक्षिण चीन सागर में चीन की बढ़ती दबंगई

नीरज मनजीत

दक्षिण चीन सागर में पड़ोसी देशों को डराने और अनवरत दबाव में रखने की चीन की कोशिशें जारी हैं। जब से शी जिनपिंग सत्ता में आए हैं, पड़ोसियों को डरा धमकाकर दबाव में रखना उनकी अप्रत्यक्ष युद्धनीति का अहम हिस्सा बना हुआ है। इस बार फिलीपींस उनकी इस कूटनीति का शिकार बना है। पिछले दिनों फिलीपींस के एक छोटे गश्ती जहाज़ को चीन के एक विशाल जंगी जहाज़ ने तक़रीबन टक्कर मार ही दी थी। ऐन वक़्त पर यदि फिलीपींस के कप्तान ने अपने जहाज़ का रुख मोड़कर टकराने से न बचाया होता, तो फिलीपीनी जहाज़ को जान-माल का भयंकर नुक़सान हो सकता था। इस जहाज़ पर विदेशी पत्रकारों का एक दल भी सवार था, जिन्हें दक्षिण चीन सागर में चीन की दबंगई दिखाने के लिए ले जाया जा रहा था। चीनी जहाज़ की इस हरकत से उन्होंने चीनी नौसेना की दादागिरी के साथ-साथ उसका डरावना चेहरा भी देख लिया। फिलीपीनी जहाज़ उस वक़्त विवादित स्प्रैटली द्वीप के पास से गुज़र रहा था, तभी चीन का जंगी जहाज़ उसके सामने आ गया था।

इस घटना के बाद चीनी आर्मी के जनसंपर्क अधिकारी ने सफ़ाई पेश करते हुए कहा कि जाने-अनजाने फिलीपीनी जहाज़ चीन के जलक्षेत्र में घुस आया था। हमारे कोस्ट गार्ड्स ने फिलीपीनी कप्तान को उस इलाके से हटने की चेतावनी दी, किंतु वे वहाँ से जाने के लिए तैयार नहीं थे, नतीजतन ऐहतियात के तौर पर उन्हें खदेड़ने के लिए हमें अपना जंगी जहाज़ भेजना पड़ा। उन्हें नुक़सान पहुँचाने का हमारा कोई इरादा नहीं था। इधर चीन की इस सफ़ाई को अमेरिका उसका ढोंग मान रहा है। चीन की इस हरकत पर बयान जारी करते हुए अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा कि चीनी नौसेना की यह हरकत बेजा और डरानेवाली है। हम बीजिंग से गुज़ारिश करते हैं कि वह दक्षिण चीन सागर में भड़काने वाली हरकतों से बाज़ आए। यदि फिलीपींस की आर्मी पर हमला किया गया, तो अमेरिका इसका तगड़ा जवाब देने से नहीं चूकेगा। अमेरिका की यह चेतावनी बिल्कुल स्पष्ट थी, इसलिए भी कि फिलीपींस उसका सैन्य साझेदार है।

दरअसल दक्षिण चीन सागर पिछले कई वर्षों से चीन और अमेरिका के बीच तनातनी का केन्द्र बना हुआ है। चीन इस इलाके के अधिकांश हिस्से को अपना समुद्री क्षेत्र बताता है। जबकि अमेरिका और उसके मित्र देश इसे अंतरराष्ट्रीय मुक्तक्षेत्र मानते हैं। इसी बात को लेकर पड़ोसी देशों--वियतनाम, ब्रूनेई, मलेशिया, ताइवान और फिलीपींस--के साथ भी चीन का विवाद चल रहा है। दक्षिण चीन सागर में चीन की दबंगई का मुकाबला करने के लिए अमेरिका और फिलीपींस के बीच एक सैन्य समझौता भी किया गया है। इसके तहत फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनैंड मार्कोस जूनियर ने अमेरिका को अपने देश में चार सैनिक अड्डे बनाने की मंजूरी दी है। फिलीपींस को यह क़दम इसलिए भी उठाना पड़ा, क्योंकि चीन ने दक्षिण चीन सागर में फिलीपींस के नज़दीक कई कृत्रिम द्वीप बनाकर वहाँ मिसाइलें और फाइटर जेट तैनात कर दिए हैं। वैसे फिलीपींस के राष्ट्रपति कह रहे हैं कि यह सिर्फ़ एक रक्षात्मक फ़ैसला है और इन अड्डों से अमेरिका को हमला करने की इजाज़त नहीं दी गई है। मगर चीन के हमलावर रुख को देखते हुए इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि चीनी हमला होने पर फिलीपींस विवश होकर अमेरिका को हमले की इजाज़त दे भी सकता है।

दक्षिण चीन सागर में अमेरिका और चीन के बीच तनाव की एक बड़ी वजह यह भी है कि यह इलाका सामरिक दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण है। यह समुद्री इलाका प्रशांत महासागर और हिंद महासागर के बीच पड़ता है, जो व्यापार के नज़रिए से काफी अहम है। दुनिया के कुल समुद्री व्यापार का 20 फ़ीसदी हिस्सा यहां से गुज़रता है। विशेषज्ञों का यह भी अनुमान है कि इसके तल में तेल और गैस का विशाल भंडार है। माना जाता है कि दक्षिण चीन सागर में तक़रीबन 11 बिलियन बैरेल प्राकृतिक तेल के कई भंडार छिपे हुए हैं। इसके अलावा गैस विशेषज्ञों के मुताबिक तल में 250 ट्रिलियन क्यूबिक फीट से ज़्यादा प्राकृतिक गैस के भंडार भी हो सकते हैं। इस सागरीय इलाके से हर वर्ष 5 ट्रिलियन डॉलर मूल्य का अंतर्राष्ट्रीय व्यापार होता है। चीन का तक़रीबन 80 फ़ीसदी ऊर्जा आयात और कुल कारोबार का तक़रीबन 40 फ़ीसदी दक्षिण चीन सागर से होकर गुज़रता है। इसीलिए इस समृद्ध समुद्री क्षेत्र पर चीन अपना एकाधिकार क़ायम करना चाहता है। जबकि उसके पड़ोसी देश इस विशाल संपदा में अपना हिस्सा लेना चाहते हैं। अमेरिका इस मामले में चीन के पड़ोसी देशों के साथ खड़ा है। वह कतई नहीं चाहता कि यह इलाक़ा चीन के हाथों में चला जाए, इसीलिए वह ताइवान, फिलीपींस, वियतनाम, मलेशिया और ब्रूनेई को सैन्य साजोसामान सहित हर तरह की मदद मुहैया करा रहा है।

यहाँ यह बताना लाज़मी होगा कि दुनियाभर के समुद्री इलाकों पर निर्बाध व्यापार और जल परिवहन की सुचारू व्यवस्था कायम करने के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ ने यूनाइटेड नेशंस कन्वेंशन ऑफ द लॉ ऑफ द सी-1982 कानून बनाया है। इस कानून के मुताबिक दक्षिण चीन सागर का इलाक़ा मुक्त व्यापार क्षेत्र माना गया है। भारत सहित वैश्विक बिरादरी के अधिकांश देश इस कानून के पक्ष में हैं, मगर चीन इस कानून को नहीं मानता। वह अपने हिसाब से इस क्षेत्र की व्याख्या करता है। फिलीपींस इस मामले को अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता न्यायालय में भी ले गया था। लंबी सुनवाई के बाद 2016 में हेग स्थित परमानेंट कोर्ट और ऑर्बिट्रेशन ने अपने फ़ैसले में कहा था कि चीन नाजायज़ तरीके से दक्षिण चीन सागर में फिलीपींस के जायज़ अधिकारों का उल्लंघन कर रहा है। कोर्ट ने इस इलाक़े में चीन के मालिकाना हक़ के दावे को खारिज़ कर दिया था। विडंबना देखिए कि चीन ने संयुक्त राष्ट्र सहित पूरे वैश्विक समुदाय को धता बताते हुए इस फैसले को भी मानने से साफ़ इंकार कर दिया है।

ज़ाहिर है कि चीन नाजायज़ दबंगई और अपनी विशाल सैन्य शक्ति के जरिए दक्षिण चीन सागर पर कब्ज़ा करना चाहता है। चीन की दादागिरी का कोई अंत नहीं है। भारत को दबाव में डालने के लिए उसने अपने जंगी जहाज़ हिंद महासागर में भी उतार दिए हैं। इस इलाके में चीन के मुकाबले भारत के भी कई गश्ती जंगी जहाज़ निगरानी कर रहे हैं। दक्षिण चीन सागर में चीन को चुनौती देते हुए अमेरिका और फिलीपींस की वायु सेनाओं ने इस हफ़्ते संयुक्त सैन्य अभ्यास शुरू कर दिया है। इस वार-ड्रिल का समर्थन करते हुए जापान और ऑस्ट्रेलिया ने भी अपने जंगी जहाज़ों को समुद्र में उतार दिया है। इन इलाकों में महाशक्तियों की बढ़ती सैन्य हलचलों के मद्देनज़र क्या हम एक बड़े युद्ध की तरफ़ बढ़ रहे हैं ?

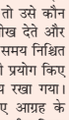

बापू की दिनचर्या

प्रातः कालीन प्रार्थना (भाग-2)

गतांक से आगे...

एक बार उन्होंने कहा था कि इतने विशाल प्रार्थना मंदिर का निर्माण सम्राट नहीं करा सकता। चार दिशाओं को वे अपने प्रार्थना मंदिर की चार दीवारें कहते। तारकमंडल से सुशोभित आकाश को उसका गुंबज बताते। प्रार्थना के समय बापू की निश्चल मुद्रा समाधिस्थ-जैसी होती। वे अंतर्मुख रहते। काका साहब के शब्दों में उस समय भी उनके लिए द्वायवधान (द्विअवधान, दोहरा अवधान) या योग सहजसिद्ध था। आश्रम-पिता होने के नाते छोटे बच्चों के बैठने तथा उनके श्लोकों के उच्चारण आदि पर उनको ध्यान रखना पड़ता। उस समय वे नेत्र बंद कर सबसे ध्यानावस्थित होने के लिए कहते, किंतु स्वयं श्लोकों के अर्थों के चिंतन के साथ-साथ बच्चों की योग्यता की परख या देखभाल भी करते। प्रार्थना के समय की पाबंदी पर बापू बहुत जोर देते। वहाँ देर से पहुँचने में उन्हें ग्लानि का अनुभव होता। एक बार उन्होंने साबरमती आश्रम में विष्णु दिगंबर पलुस्करजी के शिष्य नारायण मोरेश्वरजी खरे को प्रातःकालीन प्रार्थना में विलंब होने पर टोका तो उन्होंने संकुचित होकर अपना अपराध स्वीकार किया। इस पर बापू के ये उद्गार निकले- सागर में आग लग जाए तो उसे कौन बुझा सकता है? इस प्रकार वे अपने सहयोगियों को सीख देते और बराबर सँभालते रहते। आरंभ में प्रातःकालीन प्रार्थना का समय निश्चित नहीं था, किंतु होती वह बेनागे। बापू ने इस विषय में भी प्रयोग किए और क्रमशः चार, पाँच, छह और सात बजे का समय रखा गया। समय-समय पर दिए गए उनके सुझावों या किए गए आग्रह के फलस्वरूप अंत में प्रातः चार बजकर दस या चार बजकर बीस मिनट समय निश्चित हुआ। आश्रम में प्रार्थना की घंटी बजती। कभी न बजती तो बापू स्वयं बजाने पहुँच जाया करते। आगा खाँ महल में वे ही यह कार्य करते। प्रार्थना से पहले दोनों समय दो-दो मिनट का मौन रहता। शांति के समय बापू माला फेरते। बापू की प्रार्थना का क्रम दक्षिण अफ्रीका में भजन से आरंभ हुआ। वहाँ पियानो के माध्यम से प्रार्थना के कई भजन गाए जाते। केरान नामक एक भाई के जिम्मे यह कार्य था, यो अन्य कई लोग उस वाद्ययंत्र का उपयोग करते। हुसैन भाई है बहारे बाग दुनिया चंद रोज उस पर बजाते-गाते और उनका सुर इतना मधुर था कि यह निर्णय करना कठिन होता कि पियानो - वादन हो रहा है या हुसैन भाई गा रहे हैं।

क्रमशः...

संक्षिप्त समाचार

पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह से मिले नगर पालिका अध्यक्ष

गरियाबंद। मंगलवार देर शाम नगर पालिका अध्यक्ष अब्दुल गफ्फार मेंमन ने छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह से उनके निवास में सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष ने पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह से संगठनात्मक और राजनीतिक विषयों के साथ ही गरियाबंद जिले की मूलभूत समस्याओं को लेकर विस्तृत चर्चा की। मेमन ने उन्हें जिले में चल रहे प्रशासनिक कार्यों और गतिविधियों की भी जानकारी दी और साथ ही गरियाबंद आने का न्यौता भी दिया। वही पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह ने भी जल्द गरियाबंद आने का आश्वासन दिया।

युवा कांग्रेस की बैठक सम्पन्न

पाटन। ग्राम आमापेंड्री में युवा कांग्रेस का बैठक सम्पन्न हुई। जिसमे सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओ को जन जन तक बताने का निर्णय लिया गया। इस अवसर पर मुख्यरूप से चंद्रशेखर यदु (सेक्टर प्रभारी) सुमित चन्द्राकर (अध्यक्ष युवा कांग्रेस पाटन विधानसभा) योगेश चंद्राकर, लोकेश वर्मा, सोमनाथ ठाकुर, तोखन वर्मा, महेश, मोनू साहू, लक्की वर्मा, प्रशांत ठाकुर, हशमुख साहू, रामनाथ, लक्की ठाकुर, ऐमन साहू, संजू वर्मा, मनीष वर्मा, भीमेन्द्र साहू ,उमेश वर्मा, ,भावेश,अविनाश सोनी सिंह एवं अन्य उपस्थित थे।

जिला पंचायत अध्यक्ष के रिक्त पद का चुनाव आज

दुर्ग। जिला पंचायत दुर्ग के रिक्त अध्यक्ष पद का चुनाव 4 मई को। कांग्रेस के पास बहुमत। अध्यक्ष पद हेतु कांग्रेस की ओर योगिता चन्द्राकर व पुष्पा यादव का नाम । भाजपा मे माया बेलचनंदन व हर्षा चन्द्राकर का नाम अध्यक्ष पद हेतु उभरकर सामने आया।

कोरोना की रफ्तार हुई धीमी, 24 घंटे में 200 कोरोना मरीज मिले

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कोरोना की रफ्तार कम होती दिख रही है। पिछले कुछ दिनों से कोरोन वायरस में गिरावट दर्ज की गई है। छत्तीसगढ़ शासन स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग राज्य कंट्रोल एंड कमांड सेंटर ने कोरोना बुलेटिन जारी किया है। जिसमें छत्तीसगढ़ में 4262 लोगों की सैम्पलों जांच हुई है। वहीं, 200 कोरोना संक्रमित मरीज मिले है। प्रदेश की औसत पॉजिटिविटी दर 4.69 प्रतिशत है। प्रदेश में 25 जिला से कोरोना संक्रमित पाए गए और शेष जिलों में कोरोना का कोई नया मामला नहीं आया है। कबीरधाम से 2, जांजगीर-चांपा से 2, बस्तर से 2, कोरबा से 2, सरगुजा से 2, बीजापुर से 3, बेमेतरा से 3, रायगढ़ से 3, दंतेवाड़ा से 4, नारायणपुर से 5, धमतरी से 6, सूरजपुर से 6, महासमुंद से 8, जशपुर से 9, बिलासपुर से 10, गौरेला पेंड्रा मरवाही से 10, बालोद से 10. कांकेर से राजनांदगांव से 17, रायपुर से 18, बलौदाबाजार से 19, दुर्ग से 15, 19 कोरिया से 21 कोरोना संक्रमित पाए गए. वहीं शेष जिलों में कोरोना का कोई नया मामला नहीं आया है।

मुख्यमंत्री ने किया भारतीय गोधन पर लिखित पुस्तक का विमोचन

रायपुर। साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित आभार सम्मेलन में मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने पदम् विभूषण पं. झाबरमल शर्मा द्वारा भारतीय गोधन पर लिखित पुस्तक का विमोचन किया। भारतीय गोधन पर रचित यह पुस्तक 100 वर्ष पहले रची गई थी, जिसमें गोवंश पशुओं की सुरक्षा और गोधन के बारे में विस्तार से समझाया गया है।

नक्टा जलाशय के नहर लाईनिंग कार्य के लिए 1.55 करोड़ की स्वीकृति

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग मंत्रालय द्वारा कबीरधाम जिले के विकासखण्ड-कवर्धा की नक्टा जलाशय के नहर लाईनिंग कार्य के लिए एक करोड़ 55 लाख 18 हजार रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति मुख्य अभियंता महानदी गोदावरी कछार, जल संसाधन विभाग रायपुर को प्रदान की गई है। योजना से निस्तारी-भू-जल संवर्धन सहित क्षेत्रीय किसानों को 81 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिल सकेगी।

आगामी विधानसभा निर्वाचन हेतु अधिकारी-कर्मचारियों की शत-प्रतिशत डाटा एंट्री सुनिश्चित करें : कलेक्टर

महासमुंद। कलेक्टर निलेशकुमार क्षीरसागर की अध्यक्षता में आज यहाँ कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय सीमा की बैठक में आगामी विधानसभा निर्वाचन 2023 हेतु कर्मचारी डाटा प्रविष्टि सॉफ्टवेयर में डाटा एंट्री की धीमी गति पर नाराज़गी जतायी। उन्होंने दो दिन के भीतर कर्मचारियों की डाटा प्रविष्टि सॉफ्टवेयर में डाटा एंट्री करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करें कि सभी अधिकारियों कर्मचारियों का शत प्रतिशत डाटा एंट्री हो चाहे वह संविदा, प्लेसमेंट, डेली वेजेस क्यों न हो सभी विभाग के नोडल अधिकारी को सॉफ्टवेयर यूजर मैनुअल, यूजर आईडी एवं पासवर्ड प्राप्त कर लें। उन्होंने शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं गोधन न्याय योजना में गोठानों में नियमित रूप से गोबर खरीदीए वर्मी कम्पोस्ट निर्माणए खाद विक्रय के संबंध में विस्तार से जानकारी लेकर योजना के प्रभावी क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि इसमें अब लापरवाही नहीं होनी चाहिए। इसके लिए ग्रामीण व शहरी क्षेत्र के सभी गोठानों में गोबर क्रयए खाद निर्माण व वर्मी खाद के विक्रय में किसी प्रकार की ढिलाई न बरती जाए।

छत्तीसगढ़ में बजरंग दल पर बैन की जरूरत पड़ी तो विचार करेंगे : बघेल

बजरंगियों ने यहां गड़बड़ की तो ठीक कर दिए

रायपुर। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने बजरंग दल पर बैन लगाने की घोषणा की है। इसे लेकर घोषणापत्र में वादा भी किया है। कांग्रेस का दावा है कि कर्नाटक में सरकार आने पर इस जैसे संगठनों पर पाबंदी लगाई जाएगी। इसके बाद से सियासी माहौल गरमा गया है। कांग्रेस के वादे के बाद ऐसा ही कुछ माहौल छत्तीसगढ़ में भी बनना शुरू हो गया है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ में बजरंग दल पर बैन लगाने को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि, यहां भी विचार किया जा सकता है।

दरअसल, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से मीडिया ने बजरंग दल पर बैन लगाने को लेकर सवाल पूछा था। इस पर सीएम बघेल ने कहा कि, वहां क्या हो रहा, यहां क्या होगा, यहां कि परिस्थितियों में बजरंगियों ने गड़गड़ की तो उन्हें ठीक कर देंगे। ठीक कर भी दिया है। जरूरत पड़ी तो यहां भी बैन के लिए सोचा जाएगा, लेकिन वहां अभी कि समस्या के हिसाब से वहां के पार्टी के पदाधिकारियों ने तय किया है। मोदी जी ने कर्नाटक में बोला कि आधा लीटर दूध हर घर में देंगे, तो मध्य प्रदेश में दे रहे हैं क्या? ये सब कर्नाटक की बात है।

मुख्यमंत्री बघेल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी निशाना साधा। कहा कि, मोदी जी फेंकने में बहुत माहिर हैं। वह कबीर जी को, गुरू गोरखनाथ जी को एक साथ बिठा देते हैं। कहते हैं कि वह एक साथ बैठकर चर्चा करते हैं। कौन किस सदी में हुआ। जो चीज पाकिस्तान में हुई है उसे बिहार का बता देते हैं। जनसंख्या जितनी नहीं है उतना बता देते हैं। बैन बजरंग दल पर लगाने की बात हुई है, बजरंग बलि पर नहीं। बजरंग बलि हमारे आराध्य हैं उनके नाम पर कोई गुंडागर्दी करे ये उचित नहीं है। बजरंग दल के सदस्यों ने यहां भी उत्पात मचाया है। कानून का काम कानून करेगा।

जिहाद सिखाने वालों पर लगाओ प्रतिबंध : तोगड़िया

- डॉ. प्रवीण तोगड़िया का कांग्रेस के घोषणापत्र पर तंज, कहा- हिंदू इनका भुक्तभोगी

भिलाई। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के घोषणापत्र में बजरंग दल पर बैन के वादे के बाद राजनीतिक हंगामा मचा हुआ है। इसे लेकर अब अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. प्रवीण तोगड़िया ने कांग्रेस के मेनिफेस्टो पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि, प्रतिबंध लगाना है तो हिंदुस्तान में जिहाद सिखाने वाले मस्जिद, मदरसों में मौलवी पर लगाओ। हिंदू तो जिहाद का भुक्तभोगी है। उन पर प्रतिबंध लगाना गलत है। कहा कि, कांग्रेस से इस घोषणा पत्र के विचार पर पुनर्विचार करे।

धर्मांतरण पूरे देश की समस्या

छत्तीसगढ़ में भिलाई के सेक्टर-10 में हो रहे हिंदू सम्मेलन में शामिल होने पहुंचे थे। छत्तीसगढ़ में धर्मांतरण के सवाल पर डॉ. तोगड़िया ने कहा कि, गुजरात में भी हो रहा है। असम, दिल्ली और पूरे देश में चल रहा है। धर्मांतरण की समस्या एक राज्य की नहीं, बल्कि पूरे देश की है। इस समस्या से हम चिंतित हैं और हम प्रयास करेंगे कि हिंदुओं का धर्मांतरण ना हो। उन्होंने कहा कि, पूरे देश में हिंदुओं पर हमले हो रहे हैं। डॉ. तोगड़िया ने इन हमलों को जिहादी गतिविधियां करार दिया।

कश्मीर से गुजरात तक टारगेट किलिंग

अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के अध्यक्ष डॉ. तोगड़िया ने कहा कि, पूरे देश में ऐसी घटनाएं चल रही हैं। महाराष्ट्र के अमरावती में उमेश कोल्हे को मारा गया। उदयपुर में कन्हैया तेली की दिन दहाड़े सिर काटकर हत्या कर दी गई। दिल्ली में आफताब ने श्रद्धा के 35 टुकड़े कर दिए। कश्मीर और गुजरात में टारगेट किलिंग हो रही है। देश में राम नवमी की शोभायात्रा पर हिंदुओं पर हमले किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि, इन सबको हिंदू-मुस्लिम से न जोड़ा जाए। ये सब जिहादी हमले हैं।

छत्तीसगढ़ और कर्नाटक के राम और हनुमान क्या अलग-अलग है? सांसद ने किए सीएम से सवाल0

रायपुर। कर्नाटक चुनाव में होने में चंद ही दिनों का समय बचा हुआ है। ऐसे में बीजेपी और कांग्रेस ने अपना-अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया है। जिसमें जनता से कई वाद किए गए है। लेकिन कांग्रेस द्वारा जारी घोषणा पत्र का एक मुद्दा पूरे देश में चर्चा का विषय बना हुआ है और अब इस मुद्दे पर बयानबाजियों का दौर भी जारी है। बता दें कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में बजरंग दस पर प्रतिबंध लगाने की बात लिखी है।

कर्नाटक में जारी कांग्रेस का घोषणा पत्र में बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने के मामले में छत्तीसगढ़ की बीजेपी सांसद संतोष पांडे का बड़ा बयान सामने आया है। इस दौरान पांडे ने सीएम भूपेश बघेल को सवालों के कटघरे में खड़ा किया है। संतोष पांडे ने सीएम बघेल से पूछा कि कर्नाटक चुनाव के घोषणा पत्र में गौ हत्या को प्रोत्साहन दिया गया है इस मुद्दे पर वह क्या कहेंगे। छत्तीसगढ़ और कर्नाटक के राम और हनुमान क्या अलग-अलग है क्या? विभाजनकारी तत्वों को बढ़ावा देने का कांग्रेस का चरित्र-चेहरा चुनाव में दिखने लगा है।

जनचौपाल में सुनी गई लोगों की समस्याएं

कोरबा। अपर कलेक्टर श्री प्रदीप साहू और निगम आयुक्त श्री प्रभाकर पाण्डेय ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित जन चौपाल में लोगों की समस्याएं गंभीरता से सुनी और संबंधित विभागों के अधिकारियों को निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने जिले के दूरस्थ क्षेत्रों से आए आमजनों की एक-एक कर समस्याएं सुनी। जनचौपाल में आज 100 से अधिक लोगों ने अपनी समस्याओं को लेकर आवेदन प्रस्तुत किए।

भौतिकवाद में आकर हम अपने मानवीय गुणों को भुला बैठे: कुलपति वर्मा

रायपुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के शिक्षाविद सेवा प्रभाग द्वारा बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए विश्व शान्ति भवन चौबे कालोनी में आयोजित समर कैम्प का शुभारम्भ स्वामी विवेकानन्द तकनीकी वि.वि. के कुलपति डॉ. एम.के. वर्मा, सूचना आयुक्त अशोक अग्रवाल, ब्रह्माकुमारी सविता दीदी और ब्रह्माकुमारी स्मृति ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित करके किया।

स्वामी विवेकानन्द तकनीकी विश्व विद्यालय के कुलपति डॉ. मुकेश कुमार वर्मा ने कहा कि वर्तमान समय हम भौतिकवाद में आकर अपने मानवीय गुणों को भूला बैठे हैं। हमारी शिक्षा ऐसी होनी चाहिए कि वह में बाहरी दुनिया के साथ-साथ अन्तर्जगत की भी शिक्षा दे। स्वामी विवेकानन्द ने कहा था कि शिक्षा का उद्देश्य हमारे आन्तरिक गुणों का विकास करना होना चाहिए। उन्होने बच्चों से कहा कि रोज रात को साने से पहले दस मिनट अपने से बातें करें और अपनी दिनचर्या को चेक करें। ऐसा करके आप स्वयं ही अपना अच्छा दोस्त बन सकते हैं। स्वयं से बात करने से खुद को सुधारने का मार्ग अपने अन्दर से ही आपको मिलेगा। आप स्वयं ही अपना गुरू बन जाएंगे। सूचना आयुक्त (आईएएस) अशोक अग्रवाल ने कहा कि जीवन में आगे बढने के लिए सकारात्मक सोच जरूरी है। परिस्थितियाँ आएंगी लेकिन उसे चुनौती के रूप में स्वीकार कर आगे बढ़ें तो सफलता अवश्य मिलेगी। उन्होंने बतलाया कि उनका बचपन छोटे से गांव में बीता जहाँ पर बिजली नहीं थी। लालटेन की रोशनी में पढ़कर वह बड़े हुए। किन्तु सकारात्मक दृष्टिकोण ने उन्हें आगे बढने में मदद की। यह जरूरी नहीं कि हरेक बच्चा आईएएस या आईपीएस बने। अपनी योग्यता को पहचान कर आगे बढ़ें तो सफलता अवश्य मिलेगी। ब्रह्माकुमारी सविता दीदी ने कहा कि विगत उन्नीस वर्षों से ब्रह्माकुमारी संस्थान में समर कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। यहाँ पर बच्चों के व्यक्तित्व का विकास कैसे हो यह शिक्षा दी जाती है। पहले गुरूकुल में बच्चों को अनुशासन और जीवन मूल्यों की शिक्षा दी जाती थी किन्तु आज बच्चों को नैतिक और आध्यात्मिक मूल्यों की शिक्षा नहीं मिल पा रही है। इसलिए समर कैम्प के माध्यम से हम बच्चों को आध्यात्मिक ज्ञान और राजयोग मेडिटेशन की शिक्षा देते हैं। ब्रह्माकुमारी स्मृति दीदी ने कहा कि आजकल सफलता की परिभाषा बदल गई है। लोग पढ़ाई और खेलकूद में आगे बढने को ही सफलता मान लेते हैं और मानवीय एवं नैतिक गुणों को धारण करने पर ध्यान नहीं देते।

बिना फिटनेस और टैक्स के अब टोल से गुजरना पड़ेगा मंहगा

- परिवहन विभाग द्वारा ऑटोमैटिक चालान की व्यवस्था
- राज्य के सभी नेशनल हाईवे में शुरू हुआ ई-डिटेक्शन सिस्टम

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार अब बिना फिटनेस , टैक्स और बिना दस्तावेज के चलने वाले वाहनों पर सख्ती करने की तैयारी में हैं। प्रदेश के सभी नेशनल हाईवे में अब ई-डिटेक्शन सिस्टम शुरू किया जा रहा है , जिससे कि बिना फिटनेस और बिना टैक्स वाले वाहनों के टोल से गुजरने पर ऑटोमैटिक चालान होगा।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की मंशा अनुरूप तथा परिवहन मंत्री श्री मोहम्मद अकबर के कुशल मार्गदर्शन में प्रदेश में परिवहन सुविधाओं का सुचारू रूप से क्रियान्वयन हो रहा हैं। मुख्यमंत्री महोदय ने सड़क दुर्घटना में होने वाले मृत्यु के आँकड़ो को देख कर प्रदेश में रोड एक्सीडेंट कम करने हेतु कार्यवाही करने के निर्देश दिये थे। सड़क दुर्घटना का एक प्रमुख कारण बिना फ़िटनेस के चलने वाले हैवी गाडिया है। अनफिट गाडियो से होने वाली सड़क दुर्घटना कम करने के लिए प्रदेश में परिवहन विभाग की पहल पर राष्ट्रीय राजमार्गों में ई-डिटेक्शन सिस्टम शुरू किए जा रहे है , जो बिना फिटनेस के वाहनों को डिटेक्ट कर ऑटोमैटिक चालानी कार्यवाही करेगा। परिवहन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय राजमार्गों पर चलने वाले ऐसे वाहनों का पता लगाने के लिए परिवहन विभाग ने एनआईसी उड़ीसा के सहयोग से ई-डिटेक्शन पोर्टल विकसित किया है। ई-डिटेक्शन पोर्टल का उद्देश्य राष्ट्रीय राजमार्गों पर विभिन्न टोल नाकों से गुजरने वाले वाहनों का डेटा एकत्र करना है। पहले चरण में एनएच पर टोल गेट्स को ई डिटेक्शन पोर्टल से जोड़ा गया है। बाद में खनन और औद्योगिक क्षेत्रों से भी एएनपीआर कैमरे के मदद से डेटा एकत्र किया जाएगा। इस हेतु भी कार्यवाही शुरू कर दी गई है। गाडियों की जानकारी को फास्टैग के माध्यम से प्राप्त किए गए डेटा से एकत्र किया जाएगा और जब कोई वाहन टोल गेट से गुजरेगा तो उसकी तस्वीरें ली जाएंगी। जिस वाहन के पास कानूनी रूप से आवश्यक वैध दस्तावेज नहीं होंगे उसका ई-डिटेक्शन पोर्टल द्वारा स्वचालित रूप से चालान किया जाएगा। चालान एसएमएस के माध्यम से वाहन स्वामी के मोबाइल में भेज दिया जाएगा और जब तक वाहन स्वामी के द्वारा उस चालान का भुगतान नहीं कर दिया जायेगा तब तक उस गाड़ी से संबंधित समस्त कार्य सभी आरटीओ में प्रतिबंधित रहेंगे। परिवहन सचिव श्री एस प्रकाश द्वारा वाहन मालिकों से अपील की गई है कि सड़क में वाहन चलाने से पहले गाड़ी के समूर्ण आवश्यक दस्तावेज को अप-टू-डेट करा ले।

आईआरसीटीसी चलाएगी भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन, 25 को बिलासपुर से होगी रवाना

रायपुर। रेल मंत्रालय ने देश के विभिन्न भागों से भारत सरकार द्वारा परिकल्पित देखो अपना देश और एक भारत श्रेष्ठ भारत की पर्यटन अवधारणाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारत गौरव पर्यटक ट्रेनों का संचालन सिकंदराबाद से शुरू किया है। भारतीय रेल की इन थीम आधारित ट्रेनों की परिकल्पना घरेलू पर्यटकों को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत से अवगत कराने हेतु की गई है। छत्तीसगढ़ एवं महाराष्ट्र के तीर्थ यात्रियों के लिए इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कारपोरेशन लिमिटेड (आई.आर.सी.टी.सी.) द्वारा भारत गौरव पर्यटक ट्रेन का संचालन किया जा रहा है जो 25 मई को बिलासपुर रेलवे स्टेशन से शुरु होगा। इसके लिए 23 मई तक पंजीयन किया जा सकता है।

पत्रकारों से चर्चा करते हुए साउथ सेंट्रल जोन के ज्वाइंट जनरल मैनेजर किशोर सत्या, शिवप्रसाद, राजीव कुमार ने संयुक्त पत्रकारवार्ता में बताया कि यह ट्रेन छत्तीसगढ़ के बिलासपुर से 25 मई को रवाना होगी जो भाटापारा, तिल्दा, रायपुर, दुर्ग, राजनांदगाव एवं महाराष्ट्र के गोंदिया, तिरोरा, भंडारा रोड, नागपुर, सेवाग्राम, 4 बल्लारशाह स्टेशनों से होते हुए जएगी। 07 रातें/08 दिनों की इस यात्रा में रामेश्वरम, मदुरई, तिरुपति एवं श्रीसैलम-मल्लिकर्जुना ज्योतिलिंग के मंदिरों एवं दर्शनीय स्थलों का भ्रमण कराया जायेगा। इसके लिए यात्रियों को महज 15,500 रुपये प्रति व्यक्ति का खर्च उठाना होगा। 5 साल के बच्चों का टिकट निःशुल्क रहेगा। भारत गौरव ट्रेन की विशेषता यह है कि एलएचबी रेक में आरामदायक रेल यात्रा, ऑन-बोर्ड और ऑफ-बोर्ड भोजन, सड़क परिवहन और गुणवत्तायुक्त बसों में दर्शनीय स्थलों की यात्रा, यात्रा कार्यक्रम के

अनुसार आवास की व्यवस्था, यात्रा में टूर एस्कॉर्ट्स, यात्रा बीमा, ऑन-बोर्ड सुरक्षा और हाउसकीपिंग की सेवा शामिल है। कोविड नियमों का पालन भी किया जाएगा। बुकिंग के लिए आई.आर.सी.टी.सी. के बिलासपुर एवं रायपुर रेल्वे स्टेशन कार्यालय में संपर्क किया जा सकता है या फिर बिलासपुर 8287932242, 8287932329 और रायपुर में 9390112759 नंबर पर कॉल करके भी बुकिंग की जा सकती है।

छत्तीसगढ़ में रहने वाले लोगों की ही सेवा छत्तीसगढ़ महतारी की सेवा है: मुख्यमंत्री

गौठान समिति के अध्यक्ष एवं अशासकीय सदस्यों को किया मानदेय का अंतरण

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने बुधवार को ग्राम पटेल, कोटवार, होमगार्ड और गौठान प्रबंधन समिति के सम्मेलन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में रहने वाले 2 करोड़ 85 लाख लोगों की ही सेवा छत्तीसगढ़ महतारी की सेवा है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने गौठान समिति के अध्यक्ष और अशासकीय सदस्यों को 1 करोड़ 56 लाख रुपए का मानदेय अंतरण किया गया। वहीं गोबर विक्रेताओं को गोबर विक्रय राशि 9 करोड़ 80 लाख रुपए का बटन दबाकर अंतरण किया। प्रत्येक गौठान के प्रबंधन के लिए 13 सदस्य नियुक्त हैं जिनमें प्रत्येक स्वावलंबी गौठान अध्यक्ष को 750 रुपए तथा अशासकीय सदस्यों को पाँच-पांच सौ रुपए प्रतिमाह का मानदेय प्रदान किया जा रहा।

सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकारी की ओर से मैं आपका आभार व्यक्त करता हूँ। पिछले 4 दिनों से लगातार कार्यक्रम चल रहा है। 30 तारीख को लगभग 70,000 बेरोजगार साथियों को राशि प्रदान की गई। मई को मजदूर दिवस के दिन मजदूरों को विभिन्न योजनाओं के तहत राशि का वितरण और बोरे बासी दिवस मनाया गया।

2 मई को महिलाओं का दिन था और आज हमारे कोटवार भाई, नगर सैनिक पटेल और एक नया संगठन छत्तीसगढ़ के अलावा और दूसरी जगह ऐसा संगठन नहीं है, गौठान प्रबंधन समिति अस्तित्व में आया है, आज इस सम्मेलन में सभी शामिल है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में कोटवार और पटेल का बहुत महत्वपूर्ण भूमिका होती है शासन चलाने में कानून व्यवस्था संभालने में नगर सैनिक की बड़ी भूमिका और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को संभालने में हमारे किसान समिति की बड़ी भूमिका तय होने वाली है।

गोवंश के खुले में चराई से कृषि का रकबा कम होने लगा था किसानों को ओनहारी की फसल लेना मुश्किल हो चुका था। ऐसे समय में हमने गौठान की संकल्पना शुरू की। अब गौठान में गोबर बनाना दिया बनाना गौकाष्ठ, पेंट बनाना और अब तो बिजली बनाने का कार्य शुरू किया गया है। हमने जो व्यवस्था की उसमें 10 हजार गौठानों में से 5000 गौठान स्वावलंबी हो चुके हैं। जिन गांव के गौठानों में रोजाना 5 क्विंटल गोबर की खरीदी की जाएगी, वहां बिजली बनाने की यूनिट स्थापित की जाएगी। लगातार हमने प्रयास किया है कि किसी न किसी प्रकार से हर परिवार में शासकीय योजना का लाभ मिले। चाहे 35 किलो चावल हो, चाहे बिजली बिल हाफ योजना हो, चाहे किसान न्याय योजना, सभी योजनाओं का मिल सके। इसी प्रकार मिलजुल कर हम सभी को छत्तीसगढ़ महतारी की सेवा करना है। छत्तीसगढ़ में रहने वाले 2 करोड़ 85 लाख लोगों की ही सेवा छत्तीसगढ़ महतारी की सेवा है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आभार सम्मेलन से पूर्व स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा उत्पादित वस्तुओं के स्टॉल का अवलोकन कर उत्पादों से जुड़ी जानकारी भी ली।

संक्षिप्त खबरें

ईडी को 12 दिन की मिली रिमांड, सूर्यकांत ने न्यायालय में किया सरेंडर

रायपुर। ईडी की छापेमार कार्रवाई के बाद काफी दिनों से फरार कोयला कारोबारी सूर्यकांत तिवारी ने शनिवार को रायपुर जिला न्यायालय में पहुंचकर दोपहर 3।30 बजे सरेंडर कर दिया है। एडीजे अजय सिंह राजपूत के न्यायालय में उसने सरेंडर किया है। तिवारी के खिलाफ ईडी मनी लॉड्रिंग मामले में जांच कर रही है। इससे पहले कुछ और लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है और वे अभी न्यायायिक अभिरक्षा में है। सरेंडर किये जाने की खबर पर ईडी की टीम भी तत्काल वहां पहुंच गई और ईडी के वकील ने रिमांड मांगी, जिस पर 12 दिन की रिमांड मंजूर की गई है। इससे पहले ईडी के वकील ने गिरफ्तारी पत्रक मांगते हुए यह भी कहा कि इस मामले में सरेंडर करने का कोई प्रावधान नहीं है। इस पर न्यायालय ने मामले की केस डायरी मंगवाई। यहां बताना जरूरी होगा कि ईडी ने घोटाले का प्रमुख सूत्रधार तिवारी को ही माना है इसलिए रिमांड मिलने पर उनसे होने वाली पूछताछ को काफी अहम माना जा रहा है। गौरतलब है कि 11 अक्टूबर को प्रदेश के रायपुर और अन्य बड़े शहरों में 15 से अधिक ठिकानों पर ईडी के छापे पड़े। आईएएस समीर विश्नोई, सूर्यकांत तिवारी के रिश्तेदार लक्ष्मीकांत तिवारी और सुनील अग्रवाल नाम के कारोबारी को गिरफ्तार किया गया ये तीनों अभी जेल में हैं। ईडी सूर्यकांत तिवारी पर भी शिकंजा कसना चाह रही थी। सूत्रों के मुताबिक तिवारी के खिलाफ तक फंडिंग का मामला भी ईडी की जांच के दायरे में हैं।

छग में 31 से 2 नवम्बर तक हल्के बादल छाए रहने की संभावना

रायपुर। छत्तीसगढ़ के अधिकांश स्थानों में दिनांक 31 अक्टूबर से 2 नवम्बर तक हल्के से मध्यम बादल छाए रहने की सम्भावना हैं । इस दौरान हवा में 70-80 प्रतिशत नमी होने की संभावना है। मैदानी क्षेत्रों में अधिकतम तापमान लगभग 30एष्ट से 32एष्ट एवं न्यूनतम तापमान 15 से 18एष्ट के बीच दर्ज किए जाने की संभावना है। आने वाले दिनो में हवा विभिन्न दिशाओं से चलने की संभावना है, तथा इसकी गति लगभग 2 से 3 किलो मीटर/घंटा रहने कि संभावना है।

कमिश्नर डॉ. संजय अलंग 4 मई को जांजगीर जिले के दौरे पर

बिलासपुर, 3 मई 2023/ संभागायुक्त डॉ.संजय अलंग 4 मई को जांजगीर चांपा जिले का दौरा करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार डॉ. अलंग सवेरे साढ़े 10 बजे अकलतरा में तहसील कार्यालय और एसडीएम कार्यालय का निरीक्षण करेंगे।

बजरंग दल बजरंग बली की तरह चिरंजीवी रहेगा:अरुण

कांग्रेस को सनातन धर्म और उसके रक्षकों से नफरत: साव

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बजरंग दल को ठीक कर देंगे संबंधी बयान को घोर आपत्तिजनक माना है और कहा कि कालनेमि भी बजरंगबली को ठीक करने निकला था; उसकी क्या गति हुई, यह दुनिया जानती है। श्री साव ने कहा कि बजरंग दल बजरंग बली की तरह चिरंजीवी रहेगा।बजरंग दल बजरंग बली की तरह चिरंजीवी रहेगा।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री साव ने कहा कि जिस छत्तीसगढ़ में सिमी के आतंकवादी पकड़े जाते हों, माफिया गुड्डू मुस्लिम के पनाह लेने की खबरें सुर्खियों में रहती हों, प्रदेश सरकार दावते इस्लामी को जमीन मुहैया कराने की तैयारी दिखाती हो, प्रदेश सरकार उन्हें उन आपराधिक गतिविधियों को प्रतिबंधित करने के बजाय बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने और उसे %ठीक कर देने% की धमकी दे, यह एक लोकतांत्रिक व्यवस्था के राज्य के लिए नितांत दुर्भाग्यपूर्ण है। श्री साव ने कहा कि मुख्यमंत्री बघेल प्रदेश में तुष्टिकरण का घातक खेल रहे हैं और प्रदेश को सांप्रदायिक उन्माद की अंधी गली में धकेलने का षड्यंत्र कर रहे हैं। श्री साव ने सवाल किया कि क्या हनुमान चालीसा का पाठ करना-करवाना अपराध है? क्या रामनवमी पर जुलूस निकलवाना अपराध है? क्या हिंदू समाज के लोगों के जबरिया धर्म परिवर्तन का विरोध करना अपराध है? बजरंग दल का ऐसा कौन-सा अरबों-खरबों का बैंकों में ट्रांजैक्शन हुआ है? कौन-सा फंड आतंकवादियों को भेजा गया है? श्री साव ने दो टूक कहा कि बजरंगियों को ठीक करने की जरूरत नहीं, बजरंगबली सबको ठीक करते हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री साव ने कहा कि वास्तव में यह बजरंग दल पर नहीं, अपितु सनातन संस्कृति के रक्षकों पर प्रहार है। हिंदू विरोधी ताकतों का यही एजेंडा रहा है कि जो लोग धर्म प्रचार करें, धर्म की रक्षा का काम करें, उन्हें टारगेट किया जाए और कांग्रेस यही कर रही है। श्री साव ने कहा कि कांग्रेस का यही राजनीतिक चरित्र है कि पहले भगवान श्रीराम को काल्पनिक बताया और अब उनके भक्त शिरोमणि बजरंगबली पर हमला कर रही है। श्री साव ने कहा कि बिरनपुर में 40 जिहादियों ने मिलकर हिंदू युवक भुनेश्वर साहू की हत्या कर दी, तब मुख्यमंत्री बघेल के मुंह में दही क्यों जमा हुआ था? आज अपराधी जिहादियों पर कार्रवाई की पुरजोर मांग, सरेआम साहू समाज को काटने की धमकी पर खामोश मुख्यमंत्री बघेल बजरंग दल पर पाबंदी की बातें कर रहे हैं! श्री साव ने कहा कि प्रदेश सरकार और कांग्रेस के लोग चाहे जितना तुष्टिकरण का षड्यंत्र रच लें, प्रदेश की जनता इस बदनीयती का करारा जवाब देगी।

हर मुद्दे पर दोहरी मापदंड अपनाती है कांग्रेस सरकार- चंदेल

नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने कहा कि भूपेश बघेल कह रहे हैं कि बजरंगी होने का मतलब यह नहीं है कि आप कानून हाथ में ले लेंगे. यह बात उन्हें कांग्रेसियों को भी समझाना चाहिए, जिन्होंने जगदलपुर थाने में घुसकर कल एक आईपीएस का कॉलर पकड़कर हाथापाई की, लेकिन उन पर कोई कार्रवाई नहीं हुई. छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकार हर मुद्दे पर दोहरा मापदंड अपनाती है. चाहे कवर्धा में भगवा अपमान की बात हो, नारायणपुर में धर्मान्तरित द्वारा आदिवासियों पर हमले की बात हो या बिरनपुर में भुनेश्वर साहू की हत्या की बात हो, सिर्फ पीड़ित बहुसंख्यक पक्ष पर कार्रवाई होती है. चंदेल ने कहा, नारायणपुर में भाजपा अध्यक्ष रूपसाय सलाम लगभग 4 महीने से जेल में बंद है. बिरनपुर में भुनेश्वर साहू के परिजनों ने 40 से ऊपर लोगों के नाम लिखित में दिए हैं, परंतु कार्रवाई सिर्फ 11 लोगों पर हुई है. दूसरी तरफ इस अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने वालों को चुन-चुन कर पुलिस झूठे मामले में फंसा रही है.

जनता समझ चुकी है कांग्रेस की तुष्टिकरण की राजनीति - कौशिक

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक ने कांग्रेस पर दोहरी नीति का आरोप लगाया है. कौशिक ने कहा कि कांग्रेस की दोमुही राजनीति किसी से छीपी नहीं है. एक तरफ छत्तीसगढ़ में भगवान श्रीराम को मानने का दिखावा कर रहे हैं, दूसरी तरफ कर्नाटक में वही कांग्रेस बजरंग दल पर पाबंदी लगाने की बात कर रही है. उन्होंने कहा कि किसी वर्ग विशेष को खुश करने जिस प्रकार से बजरंग दल पर बैन लागाने की बात हो रही है इससे स्पष्ट है कि केवल तुष्टिकरण की राजनीति के अलावा कुछ नहीं आता. इससे कांग्रेस की नीति का अंदाजा लगाया जा सकता है और नि:संदेह ही समाज इस पर विचार कर आवाज उठाएगी. नि:सदेंह ही कर्नाटक में भाजपा की सरकार बनेगी क्योंकि कांग्रेस की दोहरी नीति से केवल छत्तीसगढ़ ही नहीं पूरे देश की जनता जान चुकी है और कांग्रेस का अवसर ही नहीं आएगा कि आगे भी इस प्रकार की दोहरी राजनीति कर सके.

बजरंग दल की तुलना बजरंग बली से करना भगवान का अपमान

रायपुर। भाजपा द्वारा बजरंग दल को भगवान बजरंग बली बताये जाने की कांग्रेस ने कड़ी निंदा किया है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि कांग्रेस पार्टी मांग करती है कि बजरंग दल जैसे संगठन की बजरंग बली से तुलना करने के लिये भाजपा देश की जनता से माफी मांगे। यह हिन्दुओं और देश की जनता के भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला है। बजरंग बली न सिर्फ हिन्दुओं बल्कि भारत में रहने वाले हर नागरिक के लिये श्रद्धा भक्ति और आदर का केंद्र है। उसकी तुलना किसी संगठन से किया जाना निंदनीय है।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि बजरंग दल आरएसएस और भाजपा की विचारधारा का पोषित संगठन है। यह संगठन न संपूर्ण हिन्दू समाज का प्रतिनिधित्व नहीं करता है और न ही यह संगठन बजरंग दल नाम होने मात्र से पवन पुत्र हनुमान जी हो जाता है। किसी भी संगठन को हिन्दुओं के आराध्य से तुलना किया जाना गलत और अस्वीकार्य है। भाजपा को बजरंग दल पर प्रतिबंध से आपत्ति है तो बजरंग दल पर प्रतिबंध का राजनैतिक विरोध करें लेकिन उसका पैरोकार बनते-बनते उसकी तुलना भगवान से किया जायेगा तो इसकी आलोचना की जायेगी।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भगवान बजरंग बली त्याग, वीरता, समर्पण की प्रतिमूर्ति है। उन्होंने अपने आराध्य प्रभु श्रीराम जी की सेवा के लिये अपना संपूर्ण जीवन लगा दिया था। वे विरोधियों के लिये भी दया का भाव रखते थे, विद्वेष, छल, कपट उनके व्यक्तित्व से कोसो दूर था। बजरंग दल का चरित्र धार्मिक अतिवाद का है। बजरंग दल समाज में भय और आतंक का पर्याय बना हुआ है। ऐसे में भाजपा और आरएसएस के राजनैतिक स्वार्थ के लिये देश में आपसी विद्वेष पैदा करने वाला संगठन भगवान बजरंग बली तो क्या उनके नाखून के बराबर भी नहीं हो सकता। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि बजरंग दल की कार्यप्रणाली शुरू से संदिग्ध रही है।

भाजपा जवाब दे कि छत्तीसगढ़ नवीन आरक्षण विधेयक विगत 5 महीनों से राजभवन में लंबित क्यों है?: सुरेंद्र वर्मा

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी के आरक्षण विरोधी चरित्र लगातार उजागर हो रहे हैं। 19 फरवरी 2022 को छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के फैसले से भाजपा का षड्यंत्र प्रमाणित हुआ, फैसले में स्पष्ट उल्लिखित है कि 2018 तक न्यायालय में मूल जवाब और संशोधित जवाब दोनों प्रस्तुत किए जा चुके थे जिसमें आरक्षण लागू करने के आधार, कमेटियों की रिपोर्ट को ही दुर्भावना पूर्वक रमन सरकार में छुपाए रखा। शपथ पत्र तक में ननकीराम कमेटी दस्तावेज़ और सीएस की अध्यक्षता की सिफारिश का जिक्र तक नहीं किया गया था। भूपेश सरकार आने के बाद न्यायालय में दस्तावेज जमा करने की अनुमति मांगी गई लेकिन न्यायालय ने इस आधार पर मांग ठुकरा दी थी कि रमन सरकार को 2012 से 2018 तक पर्याप्त अवसर दिया गया, तब उन्होंने दस्तावेज़ जमा नहीं किए और शपथ पत्र तक में इन महत्वपूर्ण दस्तावेजों का जिक्र तक नहीं था। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि रमन सरकार की दुर्भावना उपेक्षा और आरक्षित वर्गों के हितों के खिलाफ किए गए षड्यंत्र के चलते ही 58 प्रतिशत आरक्षण उच्च न्यायालय ने खारिज कर दिया था।

बजरंग दल जैसे धार्मिक संगठन से पीएफआई की तुलना कर कांग्रेस ने किया सनातन धर्म का अपमान: अग्रवाल

कांग्रेस हमेशा से ही हिंदू और हिंदुत्व का अपमान किया: बृजमोहन

रायपुर। वरिष्ठ भाजपा नेता एवं विधायक बृजमोहन अग्रवाल ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे़ द्वारा जारी चुनावी घोषणा पत्र में बजरंग दल और पर प्रतिबंध लगाने के वादे पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि पीएफआई पर केंद्र सरकार टेरर फंडिंग उजागर होने पर प्रतिबंध लगा चुकी है। देश की कई आतंकी गतिविधियों में पीएफआई की संलिप्तता जग जाहिर है बावजूद कांग्रेस ने सिर्फ और सिर्फ सनातन धर्म को अपमानित करने के लिए इस आतंकी संगठन की तुलना धार्मिक संगठन बजरंग दल से करते हुए प्रतिबंध की बात कही है। बृजमोहन ने कहा कि कांग्रेस पार्टी तुष्टिकरण की राजनीति में इतनी आगे बढ़ गई है कि वह सनातन हिंदू धर्म को दोयम दर्जे पर रखती है। देश की तरह कांग्रेस पार्टी छत्तीसगढ़ में भी तुष्टिकरण और धर्मांतरण के एजेंडे पर काम कर रही है। छत्तीसगढ़ में हिन्दू संगठनों को प्रताड़ित कर तुष्टिकरण में व्यस्त कांग्रेस सरकार धर्मांतरण को संरक्षण दे रही है। भगवान राम के अस्तित्व को नकारने वाले उनके नाम पर दिखावा कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी बजरंगबली के भक्तों का दमन कर ही रहे हैं और अब कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कर्नाटक में सरकार बनने पर बजरंग दल पर बैन लगाने का वादा कर दिया है। एक तरफ कांग्रेस हिंदू वोट पाने के लिए कोट के ऊपर जनेऊ पहनने से पीछे नहीं रहती। दूसरी तरफ कांग्रेस हिंदूवादी संगठनों पर प्रतिबंध लगाने का वादा करती है।

बृजमोहन ने कहा कि कांग्रेस के दोहरे चरित्र का एक प्रमाण यह भी है कि उसने केरल में मुस्लिम लीग से गठबंधन किया। तब इन लोगों ने पीएफआई पर प्रतिबंध की बात क्यों नहीं की थी। कांग्रेस ने उनके नेताओं के मुकदमे वापस क्यों लिए थे, यह मल्लिकार्जुन खडगे़ को बताना चाहिए। कांग्रेस बजरंग दल पर प्रतिबंध की बात कर रही है तो कांग्रेस का यह घोषणा पत्र धर्मनिरपेक्ष कैसे हो सकता है? उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा से ही हिंदू और हिंदुत्व का अपमान करती रही है। भारतीय सनातन संस्कृति का अनादर इनके डीएनए में है। कुछ समय पहले कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सतीश जारकिहोली ने हिंदू शब्द को बहुत गंदा बताते हुए हिंदुत्व का अपमान किया था। लेकिन कांग्रेस ने इस कृत्य के ऊपर न कोई संज्ञान लिया और न ही अपने प्रदेश अध्यक्ष के विरुद्ध कोई कार्यवाही की। कांग्रेस की मानसिकता सनातन धर्म और हिंदू विरोधी है जो छत्तीसगढ़ में हिंदुओं के उत्पीडऩ के साथ साथ कर्नाटक के चुनाव में उसके घोषणा पत्र के जरिए एक बार फिर सामने आ गई है।

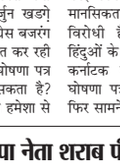

स्नातक स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु कोचिंग प्राप्त करने विद्यार्थियों के प्रवेश हेतु 14 मई को होगी परीक्षा

रायपुर। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग ने बताया कि राजीव युवा उत्थान योजना अंतर्गत राज्य के रायपुर जिला मुख्यालय में स्थित परीक्षा पूर्व केन्द्र पर 100 सीट के लिए राज्य के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के पात्र विद्यार्थियों को बैंकिंग भर्ती बोर्ड, रेल्वे भर्ती बोर्ड, कर्मचारी चयन आयोग, छ.ग.व्यापम इआदि के माध्यम से ली जाने वाली परीक्षाओं के लिए कोंचिग सुविधा प्रदान करने की योजना है। इस योजना के तहत वर्ष में 6-6 माह के दो प्रशिक्षण सत्र आयोजित किये जाते है। इस हेतु अभ्यर्थियों का चयन प्राक्कयन परीक्षा के माध्यम से होगा।

छत्तीसगढ़/राजधानी

प्रमुख समाचार

मोदी सरकार को आम यात्रियों की परवाह नहीं फिर से ट्रेन रद्द किया-कांग्रेस

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने रेल मंत्रालय से मांग करते हुए कहा कि 4 से 10 मई तक छत्तीसगढ़ में चलने वाली और छत्तीसगढ़ से होकर अन्य राज्य को जाने वाली जो ट्रेनें रद्द की गई है रूट बदला गया है उसे तत्काल बहाल करें रेलवे के इस मनमानी से लाखों रेल यात्रियों को यात्रा के दौरान कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है। बीते साल भर से रेलवे का यह रवैया परेशानियों का सबब बन गया है यात्री सुविधा और विस्तारीकरण के नाम से रेल मंत्रालय यात्रियों को गुमराह बनाना बंद करें।सिर्फ यात्री ट्रेनों को रद्द कर दिया जाता है और मालगाड़ी से माल ढुलाई बेरोकटोक हो रहा हैं इससे समझ में आता है कि मालगाड़ी से मुनाफाखोरी के लिए रेल यात्रियों को परेशान किया जा रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि मोदी सरकार की मुनाफाखोरी तानाशाही चरम सीमा पर है।ट्रेन सिस्टम से नही बल्कि मोदी सरकार की मर्जी पर चल रही है जब मर्जी हुई ट्रेन रद्द कर दी जाती है ट्रेनों का रूट बदल दिया जाता है ये रेल यात्रियों के साथ अन्याय है रेल में यात्रा करने वाले हलाकान परेशान है और भाजपा ने 9 सांसद आंखे मूंदे बैठे है।

प्रदेश सरकार महिला स्व-सहायता समूहों को ज्यादा कर्ज लेने के लिए प्रेरित कर रही -भाजपा

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के सरगुजा संभाग प्रभारी संजय श्रीवास्तव ने महिला स्व-सहायता समूह के कर्ज लेने की लिमिट बढ़ाने पर तंज कसा है। श्री श्रीवास्तव ने कहा कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने वादा किया था कि इन समूहों का कर्ज माफ करेगी। अपना वादा पूरा करने के बजाय प्रदेश सरकार अब इन महिला स्व-सहायता समूहों को ज्यादा कर्ज लेने के लिए प्रेरित कर रही है। भाजपा सरगुजा संभाग प्रभारी श्री श्रीवास्तव ने कहा कि जिस प्रकार कर्ज-पर-कर्ज लेकर प्रदेश की भूपेश सरकार ने छत्तीसगढ़ को कंगाली के दलदल में धकेल दिया है, उसी तरह अब महिला समूहों को भी कर्जमुक्त करने के बदले और ज्यादा कर्जदार बनाने पर आमादा है। श्री श्रीवास्तव ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश के सभी वर्गों को ठगे जाने के बाद अब महिला स्व-सहायता समूहों को ठगने का काम किया गया है। पिछले विधानसभा चुनाव के समय अपने जन घोषणा पत्र के बिंदु क्रमांक 13 में कांग्रेस ने स्पष्ट उल्लेख किया था कि कांग्रेस की सरकार बनने के बाद स्व-सहायता समूह की बहनों का कर्ज माफ किया जाएगा। श्री श्रीवास्तव ने कहा कि प्रदेश सरकार ने जिस तरह कर्ज की लिमिट बढ़ाकर 4 लाख से 6 लाख रुपए तक का कर्ज देने का ऐलान किया है, वह प्रदेश सरकार की बदनीयती का परिचायक है।

किसी दल पर बैन लगाने की बात सही नहीं, कानून व्यवस्था बिगाड़ने वाले हर दल पर लगे अंकुश

अंबिकापुर। अपनी सीधी और सपाट बयानबाजी के लिए फेमस प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव का बड़ा बयान सामने आया है। दरअसल, कर्नाटक में बजरंग दल पर बैन लगाने की सुगबुगाहट के बीच छत्तीसगढ़ में भी राजनेताओं के बीच इसे लेकर जुबानी जंग शुरू हो गई है। क्या छत्तीसगढ़ में भी बजरंग दल पर बैन लगेगा? के सवाल पर स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंह देव का कहना है कि यह किसी एक दल के बैन लगाने की बात नहीं बल्कि वह सभी दल जो कानून व्यवस्था को बिगाड़ते हैं उन पर अंकुश लगाने की जरूरत है। मंत्री टी एस सिंह देव ने साफ तौर कहा कि किसी भी पार्टी या दल के बैन लगाने की बात सही नहीं, बल्कि हर उस दल पर प्रतिबंध लगाना चाहिए जो कानून व्यवस्था को बिगाड़ने का काम करते हैं। टी एस सिंह देव ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा कि कानून व्यवस्था की बिगड़ी स्थिति को देखते हुए न्यायालय ने खुद मामले में संज्ञान लेकर हेट स्पीच को लेकर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। ऐसे में साफ है कि किसी एक दल धर्म या पार्टी की बात नहीं बल्कि जो भी दल कानून व्यवस्था को बिगाड़ रहे हैं उन पर प्रतिबंध लगना चाहिए।

'पहले भाजपा नेता शराब पीना बंद करेंज' शराब बंदी को लेकर खाद्य मंत्री ने किया पलटवार

अंबिकापुर। पहले भाजपा नेता शराब पीना बंद करे और शपथ पत्र दे कि वो शराब नहीं पियेंगे। जहां-जहां शराबबंदी हुई है वहां शराब धड़ल्ले से बिक रही है ये प्रदेश के खाद्य मंत्री अमरजीत भगत का कहना है। खाद्य मंत्री ने बजरंग दल के कर्नाटक में प्रतिबंध लगाने के प्रस्ताव को लेकर बयान दिया कि कहा कि यहां ऐसी स्थिति तो नहीं लेकिन जहां-जहां ऐसे घटक है जो शांति भंग करते है वहां बैन करना चाहिए। दरअसल प्रदेश में शराबबंदी को लेकर भाजपा लगातार सरकार पर हमला बोलते रहती है ऐसे में प्रदेश के खाद्य मंत्री अमरजीत भगत ने भाजपा नेताओं पर पलटवार किया है उनका कहना है कि भाजपा नेता जो शराब बंदी की बात करते है पहले वो शराब पीना छोड़ दे और शपथ पत्र दें कि वो न तो शराब पियेंगे और न ही शराब पीने वालों का समर्थन करेंगे।

यही नहीं शराब बंदी को लेकर भगत ने कहा कि शराब बंदी समाजिक चेतना की बात है। लोग पीना छोड़ दे तो शराबबंदी हो जाएगी। यही नहीं खाद्य मंत्री ने कर्नाटक में बजरंग दल के प्रतिबंध लगाने की बात को लेकर कहा कि छग में ऐसी स्थिति नहीं लेकिन जहां-जहां इनके घटक हिंसा फैलाते हैं, उन्हें प्रतिबंधित करना चाहिए।

नक्सलियों की बड़ी साजिश नाकाम, 3 किलो का आईईडी बरामद, मौके पर बम को किया डिफ्यूज

बीजापुर। बीजापुर में नक्सलियों का उत्पात थमने का नाम नहीं ले रहा है। सुरक्षा बलों ने नक्सलियों की बड़ी साजिश को नाकाम किया है। बीजापुर में मुरदण्डा और तिमापुर कैम्प के बीच जवानों ने 3 किलो आईईडी बम बरामद किया है। मौके पर निष्क्रिय कर नक्सलियों के मंसूबों को नाकाम कर दिया। बता दें कि रोड के किनारे ढ्ढश्वष्ठ बम लगाया गया था, जिसे डि-माईनिंग कार्रवाई के दौरान बरामद किया। दरअसल, सड़क सुरक्षा में लगे जवानों को नुकसान पहुंचाने के इरादे से नक्सलियों ने आईईडी लगाया था, जिसे जवानों ने बरामद कर मौके पर निष्क्रिय कर बड़ी घटना को टाल दिया। दूसरी ओर नक्सलियों की इस हरकत के बाद पुलिस इलाके में अलर्ट हो गई है। ? बीते दिनों में भी गंगालूर मार्ग पर रेड्डी चौक से आगे किकलेर पहाड़ी के पास से 3 किलो का ढ्ढश्वष्ठ बरामद किया गया था। इससे पहले भी नक्सलियों ने वाहन को आग के हवाले किया था। इन बड़ी घटनाओं से ग्रामीणों में दहशत फैल हुई है।

राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र की बदनसीबी: बेड़ियों में बंधा बूढ़ी मां का बेबस बेटा

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद में राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र कहे जाने वाले भूंजिया जनजाति कि दुर्दशा का दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है. कोपेकसा पंचायत के आश्रित ग्राम सुखरी डबरी में रहने वाली बेवा अगिन बाई को अपने 30 वर्षीय बेटे महेश को पिछले 22 साल से रस्सी में बांध कर रखना पड़ रहा है. बेटे को एक कच्चे मकान में उसकी मां रस्सी में बांध कर नजर बंद कर दी है. चार बेटों में सबसे छोटे बेटा महेश 5 साल की उम्र में गम्भीर बिमारी से ग्रसित हो गया. समय पर इलाज नही मिला तो बढ़ते उम्र के साथ मानसिक संतुलन भी बिगड़ने लगा. बार बार घर से लापता और चूल्हे की आग में हांथ पांव झुलसने लगा.

तीन बेटे कमाने दूसरे राज्य पलायन कर गए. 3 बेटियो की भी शादी हो गई. बूढ़ी मां और बीमार बेटे के गुजारा वनोपज संग्रहण से होने वाला आय ही एक मात्र जरिया रह गया. दो वक्त के खाने का जुगाड़ कड़ी संघर्ष के बाद होने लगा. ऐसे में गंभीर मनो रोग से जूझ रहे बेटे का इलाज करा पाना बूढ़े कंधे की बस में नहीं है.

जनजाति परिवार की इस समस्या से जिम्मेदार भी इत्तेफाक रखते थे. इलाज के लिए तीन साल पहले 5 हजार की सहयाता राशि देकर उसे भूल गए. भूंजिया जनजाति विकास अभिकरण के अध्यक्ष ग्वाल सिंह सोरी ने बताया कि कुछ साल पहले स्वास्थ्य विभाग से टीम आई थी. देख कर लौट गए. विभाग की ओर से 5 हजार की सहायता राशि भी दिया गया था. आदिवासी विकास विभाग के पूर्व उपसंचालक बी एन सुखदेवे को अवगत कराया था. वे जल्द ही इसकी स्थाई मदद की ठोस पहल करने वाले थे. उनके निलंबन के बाद मामला ठंडा हो गया. गरियाबंद में जनजाति के आलावा आदिवासियों के उत्थान के लिए आदिवासी विकास विभाग तैनात है. जनजाति विकास के लिए राज्य के अलावा केंद्र से भी लाखों के फंड हर साल मिलते हैं. हैरानी की बात है की इतने सालों में विभाग इस जरूरत मंद भूंजिया परिवार के लिए कोई कारगर पहल नहीं कर सकी. पीड़ित का आधार कार्ड तक नहीं बन पाया है. इससे सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि परिवार के पीड़ा को लेकर प्रशासन कितना गंभीर है. आदिवासी विकास विभाग की उपलब्धि पर नजर डाले तो उसने मिलने वाले बजट का 90 फीसदी राशि खर्च बिल्डिग मरम्मत के अलावा समाना सप्लाई में खर्च दिखा देती है. सेनेटरी पैड व जनजाति के कौशल विकास प्रशिक्षण के नाम पर खर्च केवल कागजों में बताया जाता है. आदिवासी विकास विभाग के प्रभारी सहायक आयुक्त के आशीष अनुपम टोप्पो ने कहा कि मामले की जानकारी नहीं है. विस्तृत जानकारी लेकर नियमानुसार सहयोग किया जाएगा.

आईटीआई मेहमान प्रवक्ता कल्याण संघ ने खोला मोर्चा, मांगों को लेकर मुख्यमंत्री को सौंपेगा ज्ञापन

रायपुर. छत्तीसगढ़ शासकीय आईटीआई मेहमान प्रवक्ता कल्याण संघ का प्रदर्शन रायपुर के धरना स्थल तुता में जारी है. अपनी मांगों को लेकर संघ ने राज्य सरकार के खिलाफ मोर्चा खोला है. संघ अनियमित कर्मचारियों में शामिल कर नियमितीकरण की कार्रवाई की मांग को लेकर मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपेगा.

आईटीआई मेहमान प्रवक्ता संघ के अध्यक्ष हरीश साहू ने कहा कि मेहमान प्रवक्ता कल्याण संघ की ओर से सामान्य प्रशासन विभाग को जानकारी नियमितीकरण के संबंध में भेजी गई है. क्योंकि सामान्य प्रशासन विभाग से जारी निर्धारित प्रपत्र में संचालनालय रोजगार एवं प्रशिक्षण इन्द्रावती भवन द्वारा अनियमित कर्मचारी प्रपत्र में फेरबदल कर संस्थाओं से जानकारी मांगी गई थी. जिसकी वजह से संस्था के मेहमान प्रवक्ताओं की जानकारी आपको निर्धारित प्रपत्र में नहीं भेजा गया है, जो यह अनुचित है. इसके साथ ही उन्होंने बताया कि प्रमाण के रूप में जिन बिंदुओं पर आपके माध्यम से जानकारी निर्धारित फ़ॉर्मेट में मांगी गई थी।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.